राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 24 जून 2025 वर्ष-8,अंक-125 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीनों पाकिस्तानी, एनआईए की पूछताछ में बड़ा खुलासा

जारी किए गए स्केच से अलग हैं पहलगाम के हमलावर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी को बड़ा सुराग मिला है। जांच एजेंसी ने कहा है कि हमले को अंजाम देने वाले तीनों आतंकी पाकिस्तान के रहने वाले थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे। दो कश्मीरी नागरिकों परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर की गिरफ्तारी के बाद इसका खुलासा हुआ है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने हमलावरों को अपने घर में रहने की जगह, खाना और अन्य सहूलियतें मुहैया कराईं। अंग्रेजी अखबार ने अपनी एक रिपोर्ट में एनआईए सूत्रों के हवाले से कहा है कि 20 अप्रैल की रात को तीनों आतंकी इन दोनों व्यक्तियों के घर पहुंचे थे। सूत्रों का कहना है,आतंकियों ने खाना मांगा, पैसा दिया और किसी को न बताने की धमकी भी दी। हमले के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जिन तीन संदिग्धों (हाशिम मूसा, अली भाई उर्फ तल्हा और आदिल हुसैन ठोकर) के स्केच जारी किए थे वे गलत साबित हुए हैं। जांच में सामने आया कि असली हमलावरों में से एक सुलेमान शाह है, जो पिछले साल एक सुरंग पर हुए आतंकी हमले का भी आरोपी है। इस

हमले में सात मजदूरों की मौत हो गई थी। उसका एक सहयोगी मारा जा चुका है। उसके फोन से मिली तस्वीरों को एनआईए ने संदिग्धों की पहचान के लिए इस्तेमाल किया। एनआईए और केंद्रीय एजेंसियों ने हमले से पहले के दिनों की कई तस्वीरें परवेज और बशीर को दिखाईं। उन्होंने पहचाना कि हमले से दो दिन पहले यही लोग उनके घर आए थे। अन्य चश्मदीदों ने भी इन तस्वीरों में दिख रहे आतंकियों की पुष्टि की है। आपको बता दें कि कश्मीर में हुए एनकाउंटर में मारे गए आतंकी जुनैद के फोन से ये तस्वीरें मिली थीं। जांच एजेंसियां अब पिछले हमलों (अगस्त 2023 के कुलगाम में तीन सैनिकों की हत्या, मई 2023 के पूंछ में वायुसेना जवान की हत्या) में भी सुलेमान शाह की संलिप्तता की जांच कर रही हैं। एनआईए ने दोनों स्थानीय नागरिकों को अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है। प्रवक्ता के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमलावरों को जानबूझकर अपनी झोपड़ी में पनाह दी और उन्हें खाना, आश्रय और रसद सहायता दी। एनआईए ने जांच के दौरान पोनी ऑपरेटरों, दुकानदारों, फोटोग्राफरों समेत 200 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, परवेज की एक जान-पहचान पोनी ऑपरेटर से थी और दोनों की पत्नियों ने आपस में आतंकी के आने की चर्चा की थी।

न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं रोकेंगे, ईरान का 'ऐलान'

कहा-गैम्बलर ट्रंप ने जंग शुरू की,खत्म हम करेंगे

अब इजराइल का ईरानी परमाणु ठिकाने पर हमला

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने ईरान पर अपने ताजा हमले में फोर्डो न्यूक्लियर साइट को फिर से निशाना बनाया है। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि यह हमला ठीक उसी जगह किया गया, जहां रविवार सुबह अमेरिका ने बस्टर बम गिराए थे। इजराइली सेना ने सोमवार सुबह ईरान के छह एयरपोर्ट- मशहद, तेहरान, हमादान, देजफुल, शाहिद बख्तरी और तबरीज पर भी ड्रोन हमले लिए। इनमें ईरान के 15 फाइटर जेट और हेलीकॉप्टर नष्ट करने का दावा किया गया है। परमाणु ठिकानों पर लगातार हमले के बीच ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने कहा कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम नहीं रोकेगा। ईरान की मिलिट्री सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फागरी ने कहा, गैम्बलर ट्रम्प, आपने युद्ध शुरू जरूर किया है, लेकिन इसे खत्म हम करेंगे। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान में तख्तापलट के मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा- अगर मौजूदा ईरानी सरकार ईरान को फिर से महान नहीं बना सकती, तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होना चाहिए।

ईरान अब अपने हिसाब से देगा जवाब

ईरान की सेना ने अमेरिका के हमलों का जवाब देने की धमकी दी है। ईरान सैन्य केंद्रीय कमान ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेते हुए कहा कि परमाणु ठिकानों पर हमलों ने युद्ध का मैदान खोल दिया है। आपने शुरुआत की है, तो अब कड़ी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रहिए। ईरानी सेना के मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने भी सख्त शब्दों में अमेरिकी हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इजरायल को रोकने के बजाय हमारे ऊपर हमले किए। ऐसा करते हुए अमेरिका ने ईरान को उसके हितों की रक्षा के लिए कोई भी कार्रवाई करने का विकल्प दे दिया है। ईरानी सेना के नए चीफ मेजर जनरल अमीर हातामी ने अमेरिका को करारा जवाब देने की चेतावनी दी है। अमीर हातामी ने कहा, हमने कई बार अमेरिका का सामना किया है। जब भी उन्होंने हम पर हमला करने की कोशिश की है, उन्हें कड़ा जवाब मिला है। हम इस बार भी खुशी के साथ लड़ेंगे। हातामी को हाल ही में ईरानी सेना के नए चीफ मेजर जनरल के पद पर नियुक्त किया गया है। ईरानी सेना ने अमेरिकी हमलों को उकसावे वाला बताते हुए जवाबी हमले की कसम खाई है। ईरानी सेना की यह टिप्पणी ईरान के तीन प्रमुख परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिका के हवाई हमलों के बाद आई है।

विधानसभा उपचुनाव में 4-1 से आगे रहा इंडिया गठबंधन

एएपी को मिल गई गुड न्यूज,भाजपा को लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के वोटों की गिनती खत्म हो गई है। परिणामों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा रहे दलों ने 4 सीटों पर जीत हासिल की है, वहीं भाजपा को सिर्फ गुजरात की कड़ी सीट पर जीत मिली है। अब तक आए परिणामों के अनुसार आम आदमी पार्टी को गुजरात की विसावदर सीट पर जीत मिली है। यहां से उसके कैंडीडेट गोपाल इटालिया जीत गए हैं तो वहीं पंजाब की लुधियाना पश्चिमी विधानसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार संजीव अरोड़ा

ने भी जीत हासिल की है। आम आदमी पार्टी के लिए गुजरात की विसावदर सीट से जीत अहम है। यहां 2022 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के ही भूपेंद्र भयानी जीते थे, लेकिन उन्होंने इस्तीफा देकर भाजपा जॉइन कर ली थी। ऐसे में यह चुनाव इस बात का टेस्ट था कि अब भी एएपी का यहां क्रेज है या नहीं। पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट पर भी भाजपा को झटका लगा है। यहां से सत्ताधारी दल टीएमसी ने जीत हासिल की है। वहीं केरल की नीलांबर सीट पर कांग्रेस ने जीत हासिल कर ली है। इस तरह 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में से 4 पर विपक्षी इंडिया अलायंस से जुड़े दलों को जीत मिली है। केरल की नीलांबर सीट से कांग्रेस के आर्यदन शौकत 11 हजार वोटों से जीत गए हैं। सीपीएम 6660 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रही। तीसरे स्थान पर एक निर्दलीय उम्मीदवार है, जबकि भाजपा कैंडीडेट मोहन जॉर्ज को सिर्फ 8648 वोट ही मिले हैं और वह चौथे नंबर पर हैं। भाजपा का गढ़ कहे जाने वाले गुजरात में एक जीत मिली है।

शशि थरूर ने कांग्रेस को दिया एक और झटका!

- पीएम मोदी की खूब की तारीफ, बोले-वे भारत के लिए कर रहे हैं काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ मुद्दों को लेकर पार्टी के साथ चल रहे कथित मतभेदों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की तारीफों के पुल बांधे हैं। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री की ऊर्जा, जोश और लोगों से जुड़ने की उनकी इच्छा, देश के लिए एक संपत्ति है। शशि थरूर ने ये बातें द हिंदू के लिए लिखे गए एक लेख में कही हैं। शशि थरूर ने इस लेख में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजे गए डेलिगेशन के अनुभव भी साझा किए हैं। उन्होंने इसे कूटनीति के स्तर पर बेहद सफल दौरा बताया है। शशि थरूर ने लिखा है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर के जरिए कड़ी प्रतिक्रिया दी, उतनी ही अहम भारत द्वारा भेजे गए डेलिगेशन के जरिए कूटनीतिक बातचीत भी थी।

और बढ़ेगी इंडियन नेवी की ताकत, अब कांपेंगे दुश्मन

गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल बेड़े में होगा शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के रूस में निर्मित गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल को 1 जुलाई को रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में नौसेना में शामिल किया जाएगा। गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल अनेक मिसाइलों और निगरानी प्रणालियों को ले जाने में सक्षम है।

अधिकारियों ने बताया कि जहाज में 26 प्रतिशत घटक स्वदेशी हैं, जिसमें समुद्र और जमीन दोनों पर निशाना साधने के लिए ब्रह्मोस लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल भी शामिल है।

भारतीय नौसेना के अनुसार, युद्धपोत आईएनएस तमाल 125 मीटर लंबा है और इसका वजन 3900 टन है। इस युद्धपोत में भारतीय और रूसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों व युद्धपोत निर्माण की सर्वोत्तम पद्धतियों का उपयोग किया गया है। नौसेना में शामिल होने के बाद तमाल भारतीय नौसेना की 'स्वॉर्ड आर्म' में शामिल हो जाएगा। स्वॉर्ड आर्म भारतीय नौसेना में पश्चिमी बेड़े के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक पद है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि युद्धपोत आईएनएस तमाल न केवल भारतीय नौसेना की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक होगा, बल्कि यह भारत-रूस साझेदारी की सहयोगी ताकत का भी उदाहरण पेश करेगा।

आईएनएस तमाल पिछले दो दशकों में रूस से भारतीय नौसेना में शामिल होने वाला क्रिवाक श्रेणी का 8वां युद्धपोत होगा। अधिकारियों ने बताया कि इस युद्धपोत का निर्माण कलिनिनग्राद स्थित यंतर शिपयार्ड में किया गया है।

संभालकर रखिए वोटर कार्ड! घर-घर जाकर होगी जांच

- बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग का बड़ा ऐलान

पटना (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन के दौरान घर-घर जाकर गहन सत्यापन करने की योजना बनाई है। जानकारी के मुताबिक कई सिविल सोसाइटी संगठनों, राजनीतिक दलों और अन्य लोगों ने वोटर लिस्ट में नामों को शामिल करने और हटाने पर सवाल उठाए थे। चुनाव आयोग पर बीजेपी की मदद करने के भी आरोप लगाए गए थे। ऐसे में बिहार चुनाव से पहले ईसीआई ने यह बड़ा फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरी प्रक्रिया का पालन करने और नियमों के मुताबिक नामों को शामिल करने और हटाने के बाद भी चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं। कांग्रेस समेत कई दलों ने आयोग पर भाजपा की मदद करने के लिए आंकड़ों में हेराफेरी करने का आरोप लगाया है।

120 रूपए लीटर तक पहुंच सकता पेट्रोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान की संसद ने हाल ही में अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया है। अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होता है तो इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम पर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये तेल व्यापार का अहम रास्ता है। इस खबर के सामने आने के बाद क्रूड ऑयल के दाम बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गए हैं। भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा इम्पोर्ट करता है। अगर क्रूड ऑयल के दाम लंबे समय तक बढ़े रहते हैं, तो तेल कंपनियों को पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं। जानकारों का कहना है कि भारत में पेट्रोल 120 रूपए लीटर पहुंच सकता है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक तंग समुद्री रास्ता है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। ये सिर्फ 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन दुनिया का 20-25 प्रतिशत कच्चा तेल और 25 प्रतिशत नेचुरल गैस इसी रास्ते से गुजरती है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर जैसे देशों से तेल के टैंकर इसी रास्ते से दुनियाभर में जाते हैं। भारत के लिए ये रास्ता इसलिए खास है, क्योंकि हमारा 40 प्रतिशत से ज्यादा तेल इसी रास्ते आता है। अगर ये बंद हो जाए, तो तेल की सप्लाई में रुकावट आ सकती है।

तेल की सप्लाई में दिक्कत आएगी

अगर ये रास्ता बंद होता है, तो तेल की सप्लाई में दिक्कत

आएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतें 30-50 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। अभी ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है, लेकिन ये 120-150 डॉलर तक जा सकता है। इसका असर भारत पर भी हो सकता है। तेल महंगा होने से पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। माना जा रहा है कि पेट्रोल 120 रुपए प्रति लीटर या उससे ज्यादा हो सकता है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ेगा, जिससे खाने-पीने की चीजें, दवाइयां और दूसरी जरूरी चीजें भी महंगी हो जाएंगी।

भारत के पास अब केवल 2 ऑप्शन हैं, अमित शाह के बयान से बौखलाए बिलावल ने दी युद्ध की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने भारत को एक और खोखली धमकी देते हुए कहा कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत इस्लामाबाद को पानी का उचित हिस्सा देने से इनकार कर दिया तो उनका देश युद्ध की ओर बढ़ जाएगा। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने नेशनल असेंबली सत्र के दौरान भारत पर निशाना साधा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की।

अमित शाह ने सिंधु जल संधि को बहाल न करने की घोषणा की

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 1960 के समझौते को स्थगित कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले सप्ताह ऐतिहासिक समझौते को कभी बहाल न करने की घोषणा की थी। बिलावल की यह टिप्पणी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा शाह की अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के प्रति बेशर्मी से उपेक्षा

की आलोचना के दो दिन बाद आई है।

बिलावल ने सिंधु जल संधि पर भारत के फैसले को खारिज किया

बिलावल भुट्टो ने संसद में दिए भाषण में समझौते को निलंबित करने के भारत के फैसले को खारिज किया और पाकिस्तान के हिस्से का पानी लेने की धमकी दी। उन्होंने सिंधु बेसिन की छह नदियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के पास दो विकल्प हैं- पानी को उचित तरीके से साझा करें या हम सभी छह नदियों से पानी अपने पास पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि अभी भी प्रचलन में है क्योंकि समझौते को स्थगित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि सिंधु (सिंधु नदी) पर हमला और भारत का दावा कि सिंधु जल संधि समाप्त हो गई है और स्थगित है। सबसे पहले, यह अवैध है, क्योंकि सिंधु जल संधि स्थगित नहीं है, यह पाकिस्तान और भारत पर बाध्यकारी है, लेकिन पानी रोकने की धमकी ही संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार अवैध है।

बिलावल की युद्ध की एक और खोखली धमकी

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो ने भी धमकी दी कि अगर भारत ने धमकी पर अमल करने का फैसला किया तो हमें फिर से युद्ध छेड़ना पड़ेगा। पूर्व विदेश मंत्री ने बातचीत और सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला, खासकर आतंकवाद विरोधी प्रयासों में। उन्होंने कहा कि अगर भारत और पाकिस्तान बातचीत करने से इनकार करते हैं और अगर आतंकवाद पर कोई समन्वय नहीं होता है, तो दोनों देशों में हिंसा और बढ़ेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चितता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है।

(लेखक- ललित गर्ग)

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चितता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रतर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है।

ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चितता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है।

ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजराइल के हमलों से ईरान में आमूल-चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ है, भीतर-ही-भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए। यही ईरान के लिये बेहतरी का रास्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद्द में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया - कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक एवं सफल-सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है? अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं। इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद्द एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु-शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है। हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान-सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव-क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है।

ईरान की जनता अपने शासकों के प्रति नाराज है। वह सत्ता परिवर्तन चाहती है, इसलिये इजराइल से युद्ध में जनता का समर्थन नगण्य है। इसका फायदा इजरायल को मिल रहा है, इसी कारण इजरायल ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकरियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराने में सफल हो पायी है। इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं। बावजूद इसके अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा। तेल संकट भी बढ़ेगा और संभवतः ईरान अमेरिका-समर्थक अरब शासनों पर हमला करने के लिए प्रेरित हो सकता है। तब अमेरिका के पास इस लड़ाई में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। ऐसी स्थितियां दुनिया के लिये अधिक घातक होगी, दुनिया में युद्ध के गहराते संकटों से मुक्ति का कोई तो रास्ता निकलना ही चाहिए।

संपादकीय

कबीलाई जंग

आखिरकार ना-नुकर के प्रपंच के बाद अमेरिका ने घातक बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स से हमला करके ईरान की तीन न्यूक्लियर साइट तबाह करने का दावा किया है। लगता है कि ईरान का परमाणु सपना हमले के साथ ही बिखर गया है। हाल में उसके कई परमाणु वैज्ञानिक इस्राइली हमलों में मारे गए थे। एक सप्ताह पूर्व इस्राइल ने ईरान के सैन्य स्थलों, भारी जल रिएक्टर तथा नागरिक ठिकानों पर भी हमले किए हैं। इस्राइल दावा करता रहा है कि ईरान उसके अस्तित्व को मिटाना चाहता है और परमाणु बम बनाने के करीब है। वहीं अमेरिका के शीर्ष रक्षा सूत्र ईरान के पास परमाणु बम की मौजूदगी से इनकार करते हैं। हालांकि, पिछले दिनों ईरान ने परमाणु मामले पर अंतर्राष्ट्रीय बातचीत का क्रम शुरू किया था, लेकिन पहले इस्राइली और फिर अमेरिकी हमलों ने अब ऐसी किसी संभावना को खारिज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि का हिस्सा नहीं है। बहरहाल, इस्राइली हमलों के जवाब में ईरान ने तेल अवीव व अन्य शहरों पर जमकर मिसाइलें बरसाई हैं। हालांकि, इस्राइल की वायुरक्षा प्रणाली ने अधिकांश को विफल कर दिया है। इस्राइल के कुछ रक्षा प्रतिष्ठान, स्कूल व अस्पताल ईरान के हमलों की जद में आए हैं। चिंताजनक बात यह है कि लगातार कबीलाई होता संघर्ष दो मुल्कों तक सीमित रहने के बजाय विस्तार लेने की स्थिति में पहुंच गया है। रूस व चीन की चिंताओं के बीच यह युद्ध दुनिया को दो खेमों में बांट सकता है। ऐसा भी नहीं है कि ईरान में सब कुछ ठीक है। निरंकुश सर्वोच्च ईरानी नेता अली खामेनेई धार्मिक कट्टरता और स्वतंत्र-प्रगतिशील सोच के दमन के लिये भी जाने जाते हैं। ईरान की बड़ी आबादी खामेनेई के खिलाफ खड़ी रही है। लेकिन इस संघर्ष का बड़ा खतरा विश्व के नये ध्रुवीकरण के रूप में सामने आ सकता है। कहा जाता रहा है कि ईरान के परमाणु व मिसाइल कार्यक्रम में रूस की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन एक बड़ा संकट यह भी है कच्चे तेल के बड़े स्रोत मध्यपूर्व में इन हमलों के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में भारी उछाल आ गया है। इस संघर्ष के मूल में कच्चे तेल की कूटनीति भी रही है। मध्यपूर्व की अशांति से तेल उत्पादक महाशक्तियों को भारी मुनाफा होता है। कच्चे तेल के दामों में भारी तेजी के कारण कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौट रही दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को एक बार फिर से झटका लग सकता है। बड़ा संकट यह भी है कि इस टकराव का असर उस होरमुज की खाड़ी पर भी हो सकता है जहां से वैश्विक स्तर पर 21 फीसदी कच्चे तेल की सप्लाई होती है। बहरहाल, इस्राइल व ईरान के संघर्ष और उसमें अमेरिका के कूदने से पूरा मध्यपूर्व अनिश्चितता के भंवर में फंसता नजर आ रहा है। ऑपरेशन राइजिंग लायन शुरू करने से पहले भी इस्राइल हमास, हिजबुल्लाह व हूती विद्रोहियों से लड़ रहा था, इस नये मोर्चा खोलने से इस्राइली जनता की मुश्किलें भी और बढ़ गई हैं।

क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे ?

(लेखक - तनवीर जाफ़री)

इस्राईल -ईरान के बीच छिड़े आधुनिक युद्ध ने पूरे विश्व को स्तब्ध व चिंतित कर दिया है। इस्राईल गत कई वर्षों से ईरान को युद्ध में खींचने की पूरी कोशिश कर रहा था परन्तु ईरान सीधे युद्ध में कूदने से बचता आ रहा था। परन्तु गत 13 जून को इस्राईल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला कर दिया। इस हमले के कुछ ही समय बाद इस्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने एक टी वी प्रसारण में इस हमले को उचित ठहराते हुये ईरान पर परमाणु बम बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और अपनी चिंता दोहराई कि ईरान का परमाणु बम इस्राईल को नष्ट कर सकता है। इस्राईल ने ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सेना कमांडर भी मार दिये। इस्राईल ने 13 जून को ईरान पर हमला उस समय किया जबकि दो दिन बाद ही यानी 15 जून को ईरान और अमरीका के मध्य परमाणु समझौता होने की तारीख़ तय थी और यह समझौता किसी निष्कर्ष पर पहुँचने की उम्मीद भी की जा रही थी। परन्तु इस्राईल ने समझौते के पहले ही हमला कर ईरान को बड़ा धोका दे दिया। इस्राईली हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस हमले की पहले से जानकारी थी और इस हमले में कई ईरानी कट्टरपंथी (परमाणु वार्ताकार) मारे गए हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह समझौता नहीं करता, तो और बड़े हमले झेलने पड़ सकते हैं। यही नहीं बल्कि ट्रंप ने इस्राईल की पीठ थपथपाते हुये इस्राईली हमलों को शानदार बताया और कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा छोड़नी होगी। साथ ही ट्रंप ने अमेरिका को इस्राईल का सबसे बड़ा सहयोगी भी बताया। साफ़ है ईरान पर इस्राईल द्वारा धोखे से किये गये इस हमले का अमेरिका भी बराबर का साझीदार है।

अब ज़रा 2003 के उस दौर को भी याद कीजिये जब इराक़ में सद्दाम हुसैन के शासनकाल में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन, ने यह दावा किया था कि सद्दाम हुसैन के पास रासायनिक, जैविक और संभवतः परमाणु हथियार भी हैं जो वैश्विक सुरक्षा के लिए ख़तरा हो सकते हैं। यह दावा ख़ुफ़िया जानकारी पर आधारित बताया गया था। इसी ख़ुफ़िया जानकारी को बहाना बनाकर अमेरिका ने ऑपरेशन इराक़ी फ़रीडम के नाम से इराक़ पर बड़ी सैन्य कार्रवाई की और इराक़ को तबाह कर के छोड़ा। यहाँ तक कि स्थानीय अदालत का गठन कर सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ा दिया। इराक़ में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रासायनिक, जैविक और सामूहिक विनाश के हथियार होने की जानकारी ग़लत साबित हुई। वहां ऐसे हथियार होने के कोई सबूत नहीं मिले। जगज़ाहिर है कि अमेरिका द्वारा इराक़ पर सैन्य कार्रवाई वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण और मध्य पूर्व में अमेरीकी सामरिक प्रभाव बढ़ाने की इच्छा के तहत की गयी । इराक़ की तबाही व सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने यह तर्क भी दिया था कि सद्दाम हुसैन का तानाशाही शासन इराक़ी जनता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक था। बहरहाल आज वही अमेरिका जिसने केवल इराक़ ही तबाह करने की कोशिश नहीं की बल्कि वह जापान पर 6 और 9 अगस्त 1945 को परमाणु बम गिराने का भी गुनहगार है.वह अमेरिका जो कोरिया,ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, क्यूबा,कांगो, लाओस ,वियतनाम,कंबोडिया, ग्रेनेडा, लेबनान, सीरिया,लीबिया, अल साल्वाडोर, निकारागुआ,ईरान(1987) पनामा, इराक़, कुवैत, सोमालिया, बोस्निया,सूडान, अफ़ग़ानिस्तान, योगोस्लाविया जैसे देशों पर हमले करने व वहां की सत्ता को अस्थिर करने का ज़िम्मेदार हो, क्या वह अमेरिका तय करेगा कि किस देश को परमाणु शस्त्र रखना चाहिए और किसे नहीं ? या फिर फ़िलिस्तीन की ज़मीन पर अमेरिका ब्रिटेन की शह पर क़ब्ज़ा जमाये बैठा वह अवैध देश इस्राईल जिसपर ग़ज़ा में लगभग 82,000 लोगों को मारने व लगभग 20 लाख लोगों को बेघर कर क्षेत्र में मानवीय संकट खड़ा का आरोप है वह तय करेगा कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिए और किसे नहीं? जो देश स्वयं पूरे विश्व में अस्थिरता फैलाने,क्षेत्रीय संघर्ष भड़काने,शस्त्रों के व्यवसाय तथा तेल जैसी सम्पदा पर गिद्ध दृष्टि रखते हों पड़ोसी देशों में फूट डलवाकर युद्ध भड़काना ही जिनका वयवसाय बन चुका हो वह देश कैसे निर्धारित कर सकते हैं कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिये किसे नहीं ?

आज विश्व में जिनदेशों के पास परमाणु शस्त्र हैं उनमें सबसे बड़ा ज़ख़ीरा संयुक्त राज्य अमेरिका के पास है। इसके अतिरिक्त रूस,चीन,फ़्रांस, यूके (ब्रिटेन), इस्राईल,उत्तर कोरिया,भारत व पाकिस्तान जैसे देश भी परमाणु शस्त्र धारक देशों में गिने जाते हैं। बावजूद इसके कि ईरान अभी तक यह कहता आया है कि उसके द्वारा किया जा रहा परमाणु संवर्धन उसकी ऊर्जा सम्बन्धी ज़रूरतों को पूरा करने जैसे शांतिपूर्ण कार्यों के लिये है। फिर भी यह क्यों ज़रूरी नहीं कि मानवता का सबसे बड़ा हत्यारा देश इज़राईल जो भूखे,निहत्थे बच्चों व बुज़ुर्गों औरतों का लगातार नरसंहार करता आ रहा,जो अपनी सैन्य शक्ति और अमेरिका की शह के बल पर अपने क़ब्ज़े की ज़मीन का लगातार विस्तार करता जा रहा हो जो उसे पनाह देने वाले देश फ़िलिस्तीन के लोगों को ही उनकी मातृभूमि से बेदख़ल करने की साज़िश रच रहा हो,जो अमरीका के इशारे पर पूरे मध्य एशिया में फूट डालने वाली राजनीति कर रहा हो आख़िर क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिये उसके सामने ईरान जैसे देश का डटकर खड़ा होना ज़रूरी क्यों नहीं ? क्या इस पूरे मध्य क्षेत्र को अमेरिका इस्राईल के रहम-ो-करम पर जीने के लिये छोड़ देना चाहिये? ताकि जब चाहें और जिस देश को चाहें ग़ज़ा,यमन व लेबनान बना सकें ? निश्चित रूप से युद्ध से बुरी कोई स्थिति नहीं होती। हमेशा इस त्रासदी का शिकार बेक़ुसूर महिलाएं,बच्चे व बुज़ुर्ग होते आये हैं। युद्ध से मानवता आहात होती है। सही मायने में तो पूरे विश्व को ही न केवल परमाणु शस्त्र मुक्त बल्कि पूरा विश्व निःशस्त्र भी होना चाहिये। परन्तु अमेरिका इज़राईल जैसे देशों द्वारा जब अपनी ताक़त का दुरूपयोग दशकों से किया जाता रहा हो और यह सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा हो ऐसे में इन्हें वाक ओवर देने के बजाये इनके सामने अपने स्वाभिमान के लिये संकल्पबद्ध होकर खड़े होना कौन सा जुर्म है ? अमेरिका व इस्राईल के सामने ईरान के सिर उठाकर खड़े होने जैसे फ़ौलादी इरादों की आज दुनिया सराहना कर रही है। परन्तु यह देश आज कभी ईरान के निष्कासित रज़ा शाह पहलवी के पुत्र के कॉंधे पर सवार होकर तो कभी भीतरी फूट डालकर कभी मोसाद का इस्तेमाल कर ईरान को अस्थिर करने की पुरज़ोर कोशिश में लगा है।

(चिंतन-मनन)

शाश्वत प्रेम अंतहीन है

प्रेम कितना ही होता जाए, अधूरा ही बना रहता है। वह परमात्मा जैसा है। कितना ही विकसित होता जाए, पूर्ण से पूर्णतर होता जाता है, फिर भी विकास जारी है। जैसे प्रेम का अधूरापन ही उसकी शाश्वतता है। ध्यान रखना कि जो चीज पूरी हो जाती है, वह मर जाती है। पूर्णता मृत्यु है; क्योंकि फिर बचा नहीं कुछ करने को, होने को कुछ बचा नहीं, आगे कोई गति न रही। जो चीज पूर्ण हो गयी, वह मर गयी। मर ही जायेगी, क्योंकि फिर क्या होगा? सिर्फ वही जी सकता है जो शाश्वत रूप से अपूर्ण है, अधूरा है, आधा है। तुम कितना ही भरो, वह अधूरा रहेगा। आधा होना उसका स्वभाव है। तुम कितने ही तृप्त होते जाओ, फिर भी पाओगे कि हर तृप्ति और अतृप्त कर जाती है। जितना पीते हो, उतनी ही प्यास बढ़ती चली जाती है। यह ऐसा जल नहीं है कि पी लो और तृप्त हो जाओ। यह प्यास को और जलाएगा। इसलिए प्रेमी कभी तृप्त नहीं होता। उसके आनंद का कोई अन्त नहीं है। क्योंकि आनंद का वहीं अन्त हो जाता है, जहां चीजें पूरी हो जाती हैं। कामी तृप्त हो सकता है, प्रेमी नहीं। काम का अन्त है, सीमा है; प्रेमी का कोई अन्त नहीं, कोई सीमा नहीं। प्रेम आदि-अनादि है। वह ठीक परमात्मा के स्वरूप का है। इस जगत में प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है, समय की धारा में समयातीत का प्रवेश है, मनुष्य की दुनिया में अतिमानवीय किरण का आगमन है। प्रेम प्रतीक है यहां परमात्मा का और उसका स्वभाव परमात्मा जैसा है। परमात्मा कभी पूरा नहीं होगा, नहीं तो समाप्त हो जाएगा। उसकी पूर्णता बड़ी गहन अपूर्णता जैसी है। उपनिषद कहते हैं कि उस पूर्ण से पूर्ण को निकाल लो तो भी वह पूर्ण ही रहता है। उस पूर्ण में और पूर्ण को डाल दो, तो भी वह उतना ही रहता है, जितना था। वह जैसा है, वैसा ही है; उसमें घट-बढ़ नहीं होती। प्रेम भी जैसा पहले दिन होता है, वैसा ही अंतिम दिन भी होगा। जो चुक जाये, उसे तुम प्रेम ही मत समझना; वह काम वासना रही होगी। जिसका अन्त आ जाये, वह शरीर से सम्बन्धित है। आत्मा से जिस चीज का भी सम्बन्ध है, उसका कोई अन्त नहीं है। शरीर भी मिटता है, मन भी मिटता है; आत्मा तो चलती चली जाती है। वह यात्रा अनन्त है। मंजिल कोई है नहीं, क्योंकि अगर मंजिल हो तो मृत्यु हो जायेगी। तो कबीर कहते हैं - ढाई आखर प्रेम का! वे प्रेम के ढाई अक्षर की तरफ इशारा तो करते ही हैं, गहरा इशारा है प्रेम के आधेपन का। प्रेमी और प्रेयसी के बीच एक अदृश्य धारा है, एक अदृश्य आंदोलन है, एक सेतु है जिससे वे दोनों जुड़ गये हैं और एक हो गये हैं।

विचार मंथन

इजरायल- ईरान युद्ध मे अमेरिका कूदा, विश्व युद्ध या शांति?

(लेखक - सनत जैन)

22 जून को जब भारत में रात के लगभग 2:30 बजे थे, तब पश्चिम एशिया में एक नए युद्ध की आहट गूंज रही थी। अमेरिकी विमानों ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों—फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर हमला किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह घोषणा की, अमेरिका ने एक सफल सैन्य कार्रवाई की है। अब शांति कायम करना ईरान के हाथ में है। सवाल यह है, क्या अमेरिका की यह कार्यवाही तीसरे विश्व युद्ध की दस्तक है, या शांति की नई शुरुआत के रूप में इसे देखा जा सकता है। इजराइल ने इस हमले को ऐतिहासिक और अमेरिका का निर्णायक कदम बताया है। ईरान ने इसे बर्बर हमला और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की अवहेलना बताते हुए इस हमले का विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है, यह संकट नियंत्रण से बाहर जा सकता है। इसका असर पूरी दुनिया की स्थिरता पर पड़ेगा। एक तरह से उन्होंने भी तृतीय विश्व युद्ध की आशंका जाहिर की है। इस हमले ने विश्व मंच पर अमेरिका की भूमिका को फिर से कठघरे में लाकर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी कांग्रेस में विरोध की आवाजें उठ रही हैं। यह कदम संवैधानिक अधिकारों के और अंतरराष्ट्रीय संधि कानून उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के भीतर भी इस कार्रवाई का विरोध हो रहा है, अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता है, अमेरिका की इस कार्रवाई से मिडिल ईस्ट में अस्थिरता एवं तनाव का जो तूफान उठा है इसका मुकाबला किस तरीके से किया जा सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह हमला ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने का रणनीतिक कदम है या एक और अनंत युद्ध के रूप में तीसरे युद्ध का आगाज है? ईरान ने दावा किया है, कि उसकी परमाणु गतिविधियां जारी रहेंगी। अमेरिकी हमले से ठिकानों को अधिक नुकसान नहीं पहुंचा है। इसका अर्थ यह ईरान का केवल एक 'संदेश' था या उसका शक्ति प्रदर्शन था। जिसमें अमेरिका के इस हमले से उसे कोई नुकसान नहीं हुआ है। इसका दूसरा पहलू है, वैश्विक राजनीति, शक्ति और व्यापार के रूप में, क्या रूस और चीन इस संघर्ष से दूर रहेंगे। वैश्विक समीकरण को ध्यान में रखते हुए ईरान की ओर से कूटनीतिक समर्थन को लेकर चीन और रूस आगे आएंगे? वर्तमान में इजरायल और ईरान के बीच जो युद्ध शुरू हुआ है। अमेरिका के युद्ध में कूद जाने के बाद यह युद्ध क्या दुनिया को दो ध्रुवों में बांटने की शुरुआत है। क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विशेषकर तेल आपूर्ति, मुद्रा, एवं वैश्विक शक्ति पर संतुलन बनाए रखने की दिशा में इसका घातक प्रभाव क्या हो सकता है। इसको लेकर सभी देश आशंकित हैं। अमेरिका ने अनायास जो कदम उठाया है, उसने अमेरिका की छवि को खराब करने का काम किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 दिन के बाद निर्णय लेने की बात कही थी, लेकिन दो दिन बाद ही उन्होंने हमला कर दिया। इसके पहले भी 15 दिन बचने के 1 दिन पहले ही इसराइल ने ईरान के ऊपर हमला कर दिया था। अमेरिका का यह हमला एक नए संकट की शुरुआत है? युद्ध की लपटें अगर भड़कीं, तो न केवल मिडिल ईस्ट, बल्कि पूरी दुनिया के देश उसकी चपेट में आ सकते हैं। इस स्थिति में समाधान सैन्य तरीके से नहीं, वरन कूटनीतिक और बातचीत के जरिए ही संभव हो सकता है। यही वक्त है जब दुनिया के सभी देशों को दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए आगे आना होगा। अमेरिका ने जो ईरान के ऊपर कारवाई की है, उसका विरोध भी देखने को मिल रहा है। इसराइल पिछले कई माह से गाजा और आस-पास के देशों में नरसंहार कर रहा था। वैश्विक संस्थाओं के निर्देशों का पालन नहीं कर रहा था। मानव अधिकार कानून को भी धता बता रहा था। अहंकार और आतंक के बल पर मिडिल ईस्ट के देशों के साथ तानाशाही कर रहा था। अमेरिका का उसे समर्थन मिल रहा था, जिसके कारण वह निरंकुश हो गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद जिस तरह से अमेरिका ने इस मामले में चालबाजी के साथ ईरान के ऊपर हमला कर उसे नष्ट करने की चेष्टा की है। उससे अमेरिका और इजरायल की साख सारी दुनिया के देशों में घट रही है। ईरान के पक्ष में चीन और रूस के शामिल हो जाने के बाद इसके भयंकर परिणाम की आशंका से सारी दुनिया के देश आशंकित हो गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

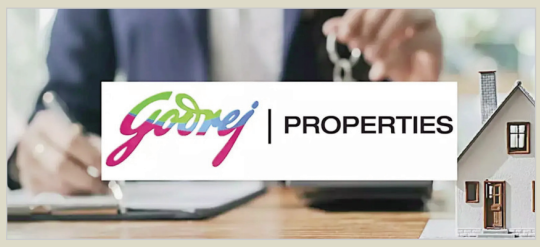

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु में 1,450 से अधिक मकान बेचे

मुंबई । गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु में अपनी नई परियोजना में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक में 1,450 से अधिक फ्लैट की बिक्री की है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने परियोजना के पहले चरण के पेश होने के बाद 2,000 करोड़ रुपये से अधिक में फ्लैट बेचे। यह परियोजना 'बार्का' बेंगलुरु के देवनाहल्ली में गोदरेज एमएसआर सिटी में स्थित है। इस परियोजना को अप्रैल 2025 में पेश किया गया था। कंपनी ने परियोजना के पहले चरण में 22 लाख से अधिक वर्ग फुट में बने 1,450 से अधिक फ्लैट की बिक्री की। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक अे धिवकारी ने कहा कि इस टाउनशिप परियोजना गोदरेज एमएसआर सिटी में करीब 56 लाख वर्ग फुट की एक विकास योग्य क्षमता है जिसे कंपनी आने वाले वर्षों में बेचने की योजना बना रही है। गोदरेज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

एम्बेसी ने करोड़ों की परियोजना के लिए भूस्वामी से की साझेदारी

- कंपनी बेंगलुरु में 18 एकड़ की आवासीय परियोजना विकसित करेगी

मुंबई। रियल एस्टेट कंपनी एम्बेसी डेवलपमेंट्स लिमिटेड ने बेंगलुरु में 18 एकड़ की आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए एक भूस्वामी के साथ साझेदारी की है। बताया गया है कि यह परियोजना करीब 1,600 करोड़ रुपये की है। एम्बेसी डेवलपमेंट्स ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी ने बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड में 17.9 एकड़ भूमि के लिए संयुक्त विकास समझौते (जेडीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना में करीब 16 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र होगा और इसमें लगभग 1,000 अपार्टमेंट होंगे। कंपनी अगले वित्त वर्ष 2026-27 में इस परियोजना को पेश करेगी। एम्बेसी के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि व्हाइटफील्ड पर हम रणनीतिक रूप से ध्यान दे रहे हैं। मुख्य रूप से अंतिम उपयोगकर्ता द्वारा संचालित छोटे बाजार के रूप में इसने बेंगलुरु के पेशेवर कर्मचारियों की निरंतर मांग व मौजूदा बुनियादी ढांचे के विकास द्वारा समर्थित अधिक लचीलापन दिखाया है। कंपनी ने चेन्नई, जोधपुर, वडोदरा, विजाग और इंदौर में भी उपस्थिति बढ़ाई है। बेंगलुरु स्थित एम्बेसी ग्रुप की एम्बेसी डेवलपमेंट्स में करीब 43 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हो सकती है बढ़ोतरी

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में ईरान और इज़राइल के बीच चल रहे संघर्ष का असर अब आम भारतीयों की रसोई तक पहुंच सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि आने वाले दिनों में एलपीजी सिलेंडर के भाव में बढ़ोतरी हो सकती है। इसका कारण भारत की एलपीजी आपूर्ति का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। भारत की आयात निर्भरता भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरतों का लगभग 66 फीसदी आयात करता है, जिसमें से 95 फीसदी सऊदी अरब, यूएई और कतर जैसे मिडिल ईस्ट देशों से आता है। ऐसे में क्षेत्रीय तनाव से सप्लाई चेन में रुकावट की आशंका गहरा गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका द्वारा ईरान के न्यूक्लियर साइट्स पर किए गए हमलों से आपूर्ति बाधित होने का खतरा बढ़ गया है। पिछले एक दशक में भारत में एलपीजी का उपयोग दोगुना हो गया है और अब यह 33 करोड़ परिवारों तक पहुंच चुका है। भारत के पास सिर्फ 16 दिन की एलपीजी स्टोरेज क्षमता है, जो इंपोर्ट टर्मिनलों, रिफाइनरियों और बॉटलिंग प्लांट्स में रखी गई है। इसलिए लंबी अवधि की आपूर्ति बाधा स्थिति को जटिल बना सकती है।

भारत में पिछले 14 वर्षों में वैश्विक आयात पर निर्भरता 11 फीसदी से घटकर 4 हुई

नई दिल्ली ।

भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मे निर्भर बनता जा रहा है। पारंपरिक रूप से रक्षा उपकरणों के लिए विदेशी खरीद पर निर्भर रहने वाले भारत ने पिछले 14 वर्षों में रक्षा आयात पर अपनी निर्भरता काफी कम कर दी है। यह देश की रक्षा रणनीति और नीति में एक बड़ा बदलाव है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत 2010 में रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा आयातक था लेकिन इस मामले में 2024 में यह चौथे स्थान पर खिसक गया। 2010 में भारत दुनिया के कुल रक्षा आयात का 11 प्रतिशत हिस्सा लिया, जिससे यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष आयातक बन गया था। 9 प्रतिशत के साथ पाकिस्तान, 6 प्रतिशत पर ऑस्ट्रेलिया और 5 प्रतिशत के साथ दक्षिण कोरिया भी इस सूची में शामिल रहे। सऊदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर और चीन जैसे देशों में प्रत्येक की हिस्सेदारी 4 प्रतिशत थी, जबकि अल्जीरिया और पुर्तगाल प्रत्येक की 3 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। 2024 के आंकड़ों के अनुसार यूक्रेन रक्षा उपकरणों का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक बन गया है। इसकी वैश्विक आयात में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस तीव्र वृद्धि का कारण रूस-यूक्रेन युद्ध है, यूक्रेन की सैन्य उपकरणों की मांग को बड़े पैमाने पर बढ़ा दिया है। पोलैंड वैश्विक रक्षा आयात में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे सबसे बड़े आयातक के रूप में उभरा है। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका 4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत अब कतर, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के साथ चौथे स्थान पर है, जिनमें से प्रत्येक की वैश्विक आयात में 4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जापान और पाकिस्तान जैसे अन्य देश वैश्विक आयात में 3 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं। अन्यश्रेणी,जिसमें सभी शेष राष्ट्र शामिल हैं, 2010 और 2024 दोनों में उनकी 47 प्रतिशत हिस्सेदारी रही और उनका स्थान अपरिवर्तित रहा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 16 पैसे गिरकर 86.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जबकि शुक्रवार को ये 86.59 पर बंद हुआ था। वहीं आज सुब अमेरिका के ईरान में परमाणु स्थलों पर हमला करने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के दौरान रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 86.72 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती ने स्थानीय इकाई पर और दबाव डाला। हालांकि, विदेशी पूंजी प्रवाह और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि ने स्थानीय मुद्रा में गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.75 पर खुला और फिर 86.72 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.55 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 फीसदी की बढ़त के साथ 99.01 पर रहा।

मराठवाड़ा में वाष्पीकरण, कम बारिश से मक्का की खेती हो सकती है प्रभावित अधिकारी

छत्रपति संभाजीनगर ।

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में अनियमित बारिश और नमी के वाष्पीकरण से मक्का की फसल पर असर पड़ सकता है। एक कृषि अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। मराठवाड़ा जिले छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड, हिंगोली, धाराशिव, लातूर, परभणी और नांदेड़ में इस वर्ष करीब 2,56,650.38 हेक्टेयर भूमि पर मक्का (मकई) की खेती किए जाने का अनुमान है। कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 19 जून तक 98,891.20 हेक्टेयर में बुवाई पूरी हो चुकी थी। जिला कृषि अधीक्षक अधिकारी ने कहा कि मक्का जैसी फसल पर नमी और पानी का असर पड़ सकता है। छत्रपति संभाजीनगर और मराठवाड़ा के अन्य भागों में मक्का की खेती का रकबा बढ़ गया है, जिससे करीब 50,000 हेक्टेयर में कपास की फसल की जगह इसकी खेती की गई है। क्षेत्र के कुछ इलाकों में नमी कम हो रही है, इसलिए मक्के की फसल पर पानी का संकट मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिति चिंताजनक है लेकिन नियंत्रण से बाहर नहीं है। थोड़ी सी बारिश से नमी वापस आ सकती है और फसल को फायदा हो सकता है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि आठ जिलों वाले मराठवाड़ा क्षेत्र में इस महीने अब तक 31 प्रतिशत कम बारिश हुई है। इस क्षेत्र में जून में औसत सामान्य वर्षा 102.7 मिलीमीटर होती है। इस महीने अब तक इस क्षेत्र में 70.5 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 158.1 मिलीमीटर बारिश हुई थी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 511, निफ्टी 140 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 511.38 अंक टूटकर 81896.79 के स्तर पर बंद हुआ।

इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 140.5 अंक फिसलकर 24971.90 के स्तर पर बंद हुआ। गत सप्ताह ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हवाई हमले से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया और घरेलू इक्विटी बाजार में मजबूती आई। वहीं शुक्रवार को बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान इंफोसिस, एलएंडटी, हीरो मोटोकॉर्प, एमएंडएम, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में गिरावट रही और ये लाल निशान पर बंद हुए।

वहीं निफ्टी पर ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, अदानी एंटरप्राइजेज, अदानी पोर्ट्स के शेयरों को लाभ हुआ और ये हरे निशान पर बंद हुए जबकि इंफोसिस, एलएंडटी, हीरो मोटोकॉर्प, एमएंडएम, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयरों में गिरावट रही और ये लाल निशान पर बंद हुए। सेक्टोरल परफॉर्मेंस को देखें तो आईटी, एफएमसीजी, ऑटो, बैंक के शेयरों में 0.5-1.5 फीसदी की गिरावट रही जबकि मीडिया, मेटल, कैपिटल गुड्स में 0.5-4 फीसदी की बढ़त रहीई। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.2 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.6 फीसदी की तेजी आई। आज के कारोबार में बीएसई पर कारोबार के दौरान लगभग 100 शेयर 52-सप्ताह के शीर्ष स्तर पर पहुंचे , जिनमें गार्डन रीच शिपबिल्डर्स, पूनावाला फिनकॉर्प, नारायण हृदयालय, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एमसीएक्स इंडिया, आदित्य बिड़ला कैपिटल, ऑथम इन्वेस्ट आदि शामिल रहे हैं। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक नीचे कारोबार करता दिखा, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग ऊपर कारोबार कर रहा था। वहीं अमेरिकी बाजारों में शुक्रवार को आखिरी कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 35.16 अंक की बढ़त के साथ 42,206.82 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 13.03 अंक की गिरावट के साथ 5,967.84 पर और नैस्डैक 98.86 अंक की गिरावट के साथ 19,447.41 पर बंद हुआ।

ईरान-इजरायल युद्धः 3.55 लाख करोड़ का व्यापार खतरे में

भारत को भी हो सकता है बड़ा नुकसान

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। ईरान ने अब हॉर्मुज जलडमरूमध्ये य को बंद करने की चेतावनी तक दे दी है। अगर इजरायल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध लंबा चलता है तो इससे भारत को बड़ा नुकसान हो सकता है।

भारत का ईरान, इराक, इजराइल, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन के साथ सालाना 41.8 अरब डॉलर (लगभग 3.55 लाख करोड़) से अधिक का व्यापार खतरे में पड़ जाएगा। युद्ध से अगर समुद्री मार्गों, बंदरगाहों या विते तीय प्रणाली में कोई रुकावट आती है तो इससे भारत का े यापार प्रवाह प्रभावित होगा और इससे माला भाड़ा और समुद्री जहाजों की बीमा लागत तो बढेगी ही आपूर्ति श्रृंखला पर जोखिम भी बढ जाएगा। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, होर्मुज़ जलडमरूमध्य तथा रेड सी में इस युद्ध के लंबा खिंचने पर उत्पन्न होने वाली बाधाओं से भारत चिंतित है। अभी तक तो भारत और खाड़ी देशों के बीच व्यापार पर असर नहीं पड़ा है, लेकिन आगे भी इससे इंडियन ट्रेड प्रभावित नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। वित्त वर्ष 2025 में भारत का पश्चिम एशिया के अन्य देशों जैसे ईरान, इराक, इजराइल, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन के साथ द्विपक्षीय व्यापार 41.8 अरब डॉलर रहा. इसमें से ईरान और इजराइल के साथ व्यापार केवल 5.4 अरब डॉलर था।

यानी अन्य पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के व्यापारिक संबंध अच्छे हैं। ईरान कभी भारत का प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता रहा है और चाबहार बंदरगाह को भारत अफगानिस्तान और मध्य एशिया के लिए रणनीतिक मार्ग मानता है। वहीं भारत अमेरिका, इज़राइल और खाड़ी अरब देशों के साथ भी मजबूत संबंध बनाए हुए है, जो अब इस संघर्ष में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं। भारत दो-तिहाई कच्चे तेल और आधे एलएनजी का आयात होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होता है। रेड सी के बाब-एल-मंडेब मार्ग से भारत का लगभग 30 फीसदी निर्यात यूरोप, उत्तर अफ्रीका और अमेरिका के पूर्वी तट की ओर होता है। ऐसे में इन दोनों मार्गों पर खतरे से व्यापार पर गहरा असर पड़ सकता है।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद होता है तो क्रूड ऑयल की कीमतें बढेंगी, जिससे भारत का आयात बिल बढ़ेगा, महंगाई तेज़ होगी और देश की राजकोषीय स्थिति पर दबाव बढ़ेगा। शिपिंग बीमा और माल भाड़ा दरें भी बढ़ेंगी। इसका असर भारत का एशिया और यूरोप के साथ समग्र व्यापार पर होगा।

डीजीसीए ने खराब मौसम में फ्लाइट ऑपरेशन के बदले नियम

नई दिल्ली । देश की विमानन सुरक्षा को और मजबूती प्रदान करने के लिए एविएशन रेगुलेटर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने खराब मौसम में फ्लाइट ऑपरेशन को लेकर एयरलाइन कंपनियों के लिए नए गाइडलाइंस जारी की हैं। नए नियमों के मुतो बिक फ्लाइट का टाइम टेबल सुरक्षा से ज्यादा अहम नहीं है। पायलट्स जरूरत पड़ने पर फ्लाइट का रूट बदल सकता है। शेड्यूल्ड और नॉन-शेड्यूल्ड एयरलाइन कंपनियों को अपडेटेड ऑपरेशन सर्कुलर जारी करते हुए` नियामक ने कहा कि पायलटों को इंस्ट्रूमेंट से दृश्यता की जांच करनी चाहिए, ताकि खराब मौसम या बारिश में लैंडिंग से पहले सही फैसला लिया जा सके। गीली रनवे या रात में बारिश के दौरान होने वाले भ्रम से बचने के लिए सटीक लैंडिंग आकलन जरूरी होगा। यह सर्कुलर केदारनाथ रीजन में हाल ही में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं और पिछले महीने श्रीनगर जा रही इंडिगो की फ्लाइट में आए टर्ब्यूलेंस को देखते हुए जारी किया गया है। ऑपरेशन संबंधी अनिश्चितता पर क्लाइमेंट चेंज के बढ़ते प्रभाव का हवाला देते हुए डीजीसीए ने फ्लाइट क्रू को बहुत ज्यादा सतर्कता बनाए रखने की सलाह दी है। सर्कुलर में कहा गया है कि टाइम टेबल के पालन पर सुरक्षा को प्राथे मिकता दी जानी चाहिए। फ्लाइट्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कम से कम 20 नॉटिकल माइल्स दूर से तूफानी इलाकों को पार करने की सलाह दी गई है।

अमेरिका के ईरान पर हमले से कच्चा तेल और हो सकता है महंगा

- तेल की कीमतों में उछाल से देश के तेल आयात बिल में हो सकती है वृद्धि

नई दिल्ली।

अमेरिका की ओर से ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ गया है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ सकती है, जो कि इस महीने पहले ही 20 प्रतिशत के करीब बढ़ चुकी हैं।

आखिरी कारोबारी सत्र में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का फ्यूचर्स लगभग 77 डॉलर प्रति बैरल पर था और अब अमेरिका के मध्य पूर्व संघर्ष में हस्तक्षेप करने के कारण कच्चा तेल एक और उछाल के लिए तैयार है। माना जा रहा है कि मध्य पूर्व में व्यापक संघर्ष का सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई से तेल आपूर्ति पर असर पड़ सकता है, जिससे कीमतों में भारी उछाल आएगा।

शिपिंग पर भी असर पड़ सकता है क्योंकि हूती विद्रोहियों ने पहले ही चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो वे जहाजों पर अपने हमले फिर से शुरू कर देंगे। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है, और तेल की कीमतों में उछाल से देश के तेल आयात बिल में वृद्धि हो सकती है और मुद्रास्फीति की दर बढ़ सकती है, जिससे आर्थिक विकास को नुकसान पहुंच सकता है। विदेशी मुद्रा के बड़े पैमाने पर आउटफ्लो से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में भी कमजोरी आ सकती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान प्रतिदिन लगभग 3.3 मिलियन बैरल (एमबीपीडी) कच्चे तेल का उत्पादन करता है और लगभग 1.5 एमबीपीडी का निर्यात करता है, जिसमें चीन 80 प्रतिशत भागीदारी के साथ मुख्य आयातक है।

ईरान होर्मुज स्ट्रेट के उत्तरी किनारे पर भी है, जिसके माध्यम से दुनिया में 20 एमबीपीडी से अधिक कच्चे तेल का व्यापार होता है। होर्मुज स्ट्रेट मध्य-पूर्व में एक चोक प्वाइंट है। इस मार्ग से सऊदी अरब और यूएई आदि भी शिपिंग करते हैं और पहले भी ईरान ने इसे बंद करने की चेतावनी दी है।

सोने की कीमतों में गिरावट, चांदी में उछाल जारी

- सोने का भाव 99,040 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,06,567 रुपए प्रति किग्रा

नई दिल्ली ।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। जबकि चांदी में तेजी का दौर जारी है। पिछले सप्ताह दोनों की कीमतों में बड़ी गिरावट आई थी। एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 99,040 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत में 0.32 फीसदी की बढ़त है, ये 1,06,567 रुपए प्रति किग्रा पर है। वै श्विक बाजार में भी सोने की कीमतों मं गिरावट आई है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 600 रुपए टूटकर 99,960 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। पिछले बाजार सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,00,560 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 550 रुपए टूटकर 99,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। गुरुवार को सोने की कीमत 99,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। शुक्रवार को चांदी की कीमत भी 2,000 रुपए लुढ़क कर 1,05,200 रुपए प्रति किलोग्राम रही।

मिड-साइज़ लग्जरी कार एस 90 की बिक्री बंद

नई दिल्ली ।

स्वीडिश ऑटो कंपनी वोल्वो ने अपनी मिड-साइज़ लग्जरी कार एस 90 की बिक्री बंद कर दी है। अक्टूबर 2021 में फेसलिफ्ट वर्जन के रूप में लॉन्च की गई वाल्वो एस 90 केवल बी5 माइल्ड-हाइब्रिड पेट्रोल वेरिएंट में आती थी, जिसमें 2.0 लीटर चार-सिलेंडर इंजन 250 हॉर्सपावर की ताकत देता था।

इस कार में बोवर्स एंड विल्किंस साउंड सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा, मसाजिंग सीट्स और अडास जैसी कई हाईटेक सुविधाएं थीं, लेकिन बीएमडब्ल्यू और मर्सडीज बेंज जैसे प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले यह फीचर्स और इंजन विकल्पों में पिछड़ गई।

समय के साथ इस मॉडल की बिक्री में गिरावट आई, और तकनीकी अपडेट की कमी ने इसे और कमजोर किया। वोल्वो ने अब भारतीय बाजार में अपनी रणनीति बदलते हुए एसयूवी और इलेक्ट्रिक वाहनों पर फोकस किया है। कंपनी 2025 तक ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी ईएक्स 30 लॉन्च करने की योजना बना रही है और 2026 में फ्लैगशिप मॉडल ईएक्स 90 भी पेश किया जाएगा। मार्च 2025 में वोल्वो ने ग्लोबल स्तर पर इलेक्ट्रिक सेडान ईएस90 का अनावरण किया, जिसमें 106के डब्ल्यूएच की बैटरी और करीब 700 किमी की रेंज होगी, हालांकि इसे भारत में लाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

वोल्वो एस 90 के अलावा इस साल ऑडी ए8 एल, मर्सडीज बेंज जीएलबी, टाटा नेक्सान ईवी 40.5के डब्ल्यूएच और मारुति सियाज जैसे मॉडल भी भारतीय बाजार से विदा हो चुके हैं। यह दर्शाता है कि उपभोक्ताओं की प्राथमिकताएं अब तेजी से एसयूवी और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ रही हैं। बता दें कि कंपनी ने इसे अपनी आधिकारिक वेबसाइट से भी हटा दिया है, जिससे स्पष्ट है कि अब यह मॉडल भारतीय बाजार में उपलब्ध नहीं रहेगा।

भारत ने पाकिस्तान से सेंधा नमक के आयात पर लगाया प्रतिबंध

- चीन और अन्य देशों में करना पड़ रहा है निर्यात

नई दिल्ली । भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान से सेंधा नमक के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस कदम ने पाकिस्तान के नमक व्यापार को गहरा झटका दिया है, क्योंकि भारत उनके लिए सबसे बड़ा और स्थायी बाजार था। अब पाकिस्तान को अपने नमक को चीन और अन्य देशों में निर्यात करना पड़ रहा है, लेकिन भारत जैसा लाभ मिलना मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान के पंजाब में खेवड़ा की सेंधा नमक खदान दुनिया की सबसे बड़ी नमक खदानों में से एक है। यहां कई प्रोसेसिंग यूनिट्स हर साल लाखों टन नमक का उत्पादन करती हैं, जिसमें भारत सबसे बड़ा ग्राहक था। 2024 में लगभग 3.5 लाख टन नमक भारत को निर्यात हुआ था, जिसकी कीमत 12 करोड़ डॉलर के करीब थी। भारत के बैन के बाद यह बाजार पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे कारोबारियों को भारी नुकसान हुआ है। पाकिस्तान ने चीन को अपने नमक निर्यात में तेजी लाने की कोशिश की है। 2025 की पहली तिमाही में चीन को नमक निर्यात 40 फीसदी बढ़कर 136.4 करोड़ किलो हो गया, जिसकी कीमत लगभग 18.3 लाख डॉलर थी। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का बाजार स्थायी नहीं है क्योंकि चीन खुद भी नमक उत्पादन में सक्षम है और भारत जैसा बड़ा मुनाफा देना मुश्किल है। पाकिस्तान अब अमेरिका, वियतनाम, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया, तुर्की, इटली, ब्रिटेन, जापान और रूस जैसे देशों में नमक निर्यात करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन विभिन्न व्यापार नियम, टैक्स, और गुणवत्ता मानकों के कारण यह प्रक्रिया कठिनाइयों से भरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड के खिलाफ ऋषभ पंत ने सेंचुरी ठोक कर रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने

लीड्स (एजेंसी)। लीड्स में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट में टीम इंडिया के उपकप्तान ऋषभ पंत का बल्ला जमकर गरज रहा है। उन्होंने एक के बाद एक करके दोनों पारियों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया है। पंत टेस्ट इतिहास में ऐसे पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने एक मैच की दोनों पारियों में सेंचुरी लगाई हो। वो पहले ही रेड-बॉल फॉर्मट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन चुके हैं। पंत ने पहली पारी में 134 रन बनाए तो दूसरी पारी में वह 120 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया है।

भारतीय टीम ने अपना पहला ऑफिशियल टेस्ट मैच साल 1932 में खेला था। अब तक 93 साल के भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कोई भी विकेटकीपर बल्लेबाज टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक नहीं लगा पाया है। अब पंत ऐसा करने वाले एकमात्र भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। पंत ऐसे पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं जिन्होंने इंग्लैंड में खेलते हुए किसी टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है।

बता दें कि, पंत ऐसे कुल सातवें भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने एक टेस्ट मैच की दो पारियं में शतक ठोका है। सुनील गावस्कर ने 3 बार ऐसा किया है जबकि राहुल द्रविड़ ने 2 बार, विजय हजारे, रोहित शर्मा, विराट कोहली, अंजिक्य रहाणे भी एक-एक बार ऐसा कर चुके हैं। अब इन दिग्गजों में पंत का नाम भी शामिल हो गया है।

रुतुराज, ईशान सहित कई क्रिकेटर काउंटी खेलते नजर आयेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के कई क्रिकेटर आने वाले दिनों में इंग्लैंड की काउंटी टीम में खेलते नजर आयेंगे। इसमें रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन और तिलक वर्मा जैसे क्रिकेटर भी शामिल हैं। ये सभी अभी खाली हैं क्योंकि इनमें से किसी को भी इंग्लैंड दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में अपने फार्मा को बनाये रखने ये सभी काउंटी जाएंगे। भारतीय खिलाड़ी आम तौर पर काउंटी में लाल गेंद या एकदिवसीय क्रिकेट में भाग लेते हैं।

रुतुराज यॉर्कशायर की ओर से पूरा सत्र खेलते हुए नजर आएंगे। वे केवल यहां रेड बॉल क्रिकेट के मैच खेलेंगे। वहीं तिलक भी काउंटी क्रिकेट में पहली बार नजर आयेंगे। वे हैम्पशायर के लिए इस सत्र में कुल 4 मैचों खेलेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान भी काउंटी क्रिकेट खेलेंगे। वह नॉटिंघमशायर की ओर से 2 लाल गेंद वाले गेम में खेलते हुए दिखेंगे। इसके अलावा स्पिनर युजवेंद्र चहल का नाम भी इस सूची में शामिल है। वह भी भारतीय टीम से अभी बाहर हैं। वह नोर्थेम्पटनशायर के लिए काउंटी के मैच खेलेंगे, बल्कि एकदिवसीय कप भी खेलने वाले हैं। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर का नाम भी इन खिलाड़ियों में शामिल था, जो एसेक्स के लिए सत्र के 7 मैच खेलने वाले थे पर भारतीय टीम में जगह मिलने के बाद उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया पर अगर अंत के मैचों में उनको अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलती है तो वे अगस्त-सितंबर में कुछ मैच खेल सकते हैं।

सौरव गांगुली को इस बात का है सबसे ज्यादा अफसोस, इंटरव्यू के दौरान किया खुलासा

कोलकाता (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 38 शानदार शतक लगाने वाले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को यह संख्या रास नहीं आ रही है, उन्हें अपने क्रिकेट करियर के दौरान कई शतक चूकने का अफसोस है। अपने समय के बेहतरीन बाएं हाथ के बल्लेबाज गांगुली ने टेस्ट और वनडे में 18575 रन बनाए लेकिन अपने करियर में कई शतक चूकने का अफसोस है, जिसमें उन्होंने 311 वनडे और 113 टेस्ट मैच खेले।

गांगुली का यह पछतावा तब सामने आया जब उनसे पूछा गया कि वह अपने पुराने साथी को क्या सलाह देंगे। गांगुली ने बातचीत में कहा, 'मैंने कई शतक गंवाए, मुझे और अधिक शतक लगाने चाहिए थे। कई बार 90 और 80 रन बनाए।' उनके आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि गांगुली कुल 30 बार 80 और 90 के बीच आउट हुए।

अगर वह उन पारियों को शतकों में बदल पाते तो अपने पहले से ही शानदार करियर में आसानी से 50 से ज़्यादा शतक बना लेते। जब भी वह अकेले होते हैं तो उन्हें अपनी पुरानी पारियां, अपने स्ट्रोकप्ले देखना बहुत पसंद है और यह उन्हें याद दिलाता है कि वह और शतक बनाने के कितने करीब थे।

पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा, 'मैं अपने (बल्लेबाजी) वीडियो तब देखता हूं जब मैं अकेला होता हूं। जब मेरी पत्नी दूर होती है क्योंकि सारा लंदन में रहती है। मैं यूट्यूब पर जाता हूं, और देखता हूं और कहता हूं 'अरे फिर 70 पर आउट हो गया' (हे भगवान, मैं इसमें भी 70 पर आउट हो गया), मुझे शतक बनाना चाहिए था। लेकिन आप इसे बदल नहीं सकते।'

वनडे में गांगुली ने 72 अर्धशतक बनाए और टेस्ट में यह संख्या 35 है। कप्तान के तौर पर कभी-कभी मुश्किल फैसला लेना जरूरी हो जाता है। आपको किसी ऐसे खिलाड़ी को शामिल करने के लिए उसे बाहर करना पड़ता है जो आपको लगता है कि परिस्थितियों या जरूरतों के लिए ज्यादा उपयुक्त है।

गांगुली ने दुनिया के सबसे महान लेग स्पिनरों में से एक अनिल कुंबले को बाहर करने पर खेद जताया। उन्होंने कहा, 'अनिल कुंबले, कुछ बार क्योंकि वह बहुत अच्छे थे।' गांगुली के लिए ऑस्ट्रेलिया उनकी पसंदीदा प्रतिद्वंद्वी टीम थी और तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ सबसे खतरनाक गेंदबाज थे।

पृथ्वी शॉ मुंबई छोड़ने के लिए तैयार, दूसरे राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए मांगी एमओसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) मांगा है। उम्मीद है कि वह दूसरे राज्य के लिए खेल सकते हैं। भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक 25 वर्षीय बल्लेबाज असंगत प्रदर्शन और ऑफ-फील्ड मुद्दों के लंबे दौर के बाद अपने गृह राज्य से दूर एक नई शुरुआत करना चाहता है। एक वरिष्ठ MCA अधिकारी के हवाले से एक न्यूज रिपोर्ट में कहा गया, 'उन्होंने हमसे NOC मांगी है और हम जल्द ही इस पर निर्णय लेंगे।'

शॉ का पिछले कुछ सत्रों में मुंबई के चयनकर्ताओं के साथ संबंध लगातार खराब होता गया है जिसका मुख्य कारण लगातार फिटनेस संबंधी चिंताएं हैं। शॉ को अपनी फिटनेस पर ध्यान देने को भी कहा गया था लेकिन उन्होंने कई बार MCA की बातों को नजरअंदाज किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार शॉ को दो से तीन अन्य राज्यों से रुचि मिली है। अगर उन्हें NOC मिल जाती है, तो वे 2025-26 के घरेलू सत्र के लिए किसी अन्य राज्य की टीम के साथ पंजीकरण कर सकते हैं। खराब फिटनेस रिपोर्ट के बाद स्टार बल्लेबाज को रणजी ट्रॉफी टीम से बाहर कर दिया गया था। टीम प्रबंधन ने MCA को सूचित किया था कि शॉ का बॉडी फैट प्रतिशत अधिक है। उन्हें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दो सप्ताह के विशेष फिटनेस कार्यक्रम में भी शामिल होने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, बार-बार चेतावनी के बावजूद शॉ आवश्यक फिटनेस मांगों को पूरा करने में असमर्थ रहे।

MCA की चयन समिति ने कथित तौर पर शॉ से यह भी कहा कि जब तक वह अतिरिक्त वजन कम नहीं कर लेते और अपनी स्थिति में सुधार नहीं कर लेते, तब तक उन्हें चयन के लिए नहीं चुना जाएगा। नतीजतन उन्हें दिसंबर (2024) में विजय हजारे ट्रॉफी टीम से भी बाहर कर दिया गया। घरेलू और आईपीएल अभियान में निराशाजनक प्रदर्शन भी शॉ के अनुकूल नहीं हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान 2024-25 उन्होंने नौ मैचों में केवल 21.88 की औसत से केवल 197 रन बनाए। उस खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें बीच सत्र में ही बाहर कर दिया गया। दिल्ली कैपिटल्स (DC) के साथ IPL 2024 में 8 मैचों में 24.75 की औसत और 163.63 की स्ट्राइक रेट से 198 रन बनाए। इसके बाद DC ने उन्हें IPL 2025 की मेगा नीलामी से पहले रिलीज कर दिया, जहां वे 75 लाख का बेस प्राइस के बावजूद नहीं बिके। शॉ का अंतरराष्ट्रीय करियर भी अंधेरे मे नजर आ रहा है क्योंकि 2018 में शतक के साथ धमाकेदार टेस्ट डेब्यू करने के बाद से अब तक उन्होंने सिर्फ 5 टेस्ट खेले हैं, और 42.37 की औसत से 339 रन बनाए हैं।

नासिर हुसैन बोले, हैरी को बाउंसरों के खिलाफ अपनी कमजोरी दूर करनी होगी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि भारतीय टीम के साथ चल रही इस सीरीज पर ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी नजरें लगी होंगी क्योंकि इस साल हमें एशेज सीरीज भी खेलनी है। नासिर ने हेरी ब्रुक की बल्लेबाज की भी प्रशंसा पर कहा कि उन्हें बाउंसरों के खिलाफ अपनी कमजोरी को दूर करना होगा क्योंकि इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम भी देख रही होगी। पूर्व कप्तान ने लिखा, 'ब्रुक के लिए समस्या शॉर्ट गेंद है और ऑस्ट्रेलिया भी इसे देख रहा है। टीमें पहले उनके खिलाफ एक तय रणनीति आजमा सकती हैं, वह बाउंसर का किस प्रकार सामना करेंगे। ये उन्हें देखना होगा। हुसैन ने कहा कि भारतीय टीम आने वाले टेस्ट मैचों में ब्रुक की परीक्षा शॉर्ट गेंदों से लेगी। जिससे उन्हें तेजी से रन बनाने का अवसर भी मिलेगा। इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के बड़े मैदानों पर मुकाबला जोखिम वाला होगा वह भी कुछ ऐसा है जिसे आप हमेशा तौलते रहते हैं। इसके जवाब में आपको इसे किसी तरह से समाप्त करने की कोशिश करनी होगी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ब्रुक को पहली पारी में शॉर्ट गेंद पर पर शून्य पर आउट किया था हालांकि नो बाल होने से वह बच गये थे। इसके बाद 99 रन तक पहुंचने के बाद वह प्रसिध कृष्णा की एक बाउंसर गेंद पर सही से शॉट नहीं लगा पाने के कारण कैच होकर पेवेलियन लौट गये थे।

प्रसिद्ध कृष्णा के नाम जुड़ा ये शर्मनाक रिकार्ड

लीड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के नाम यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में एक ऐसा रिकार्ड जुड़ गया जिसे वह भूलना चाहेंगे। इस मैच में कृष्णा ने 3 विकेट लिए पर काफी रन लुटा दिये। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में किसी गेंदबाज की पहली बार इतनी पिटाई हुई है। कृष्णा ने दूसरी पारी में 20 ओवर में 128 रन दे दिये। टेस्ट क्रिकेट में इससे ज्यादा रन कई गेंदबाजों ने दिये हैं पर प्रसिद्ध कृष्णा का इकॉनमी रेट काफी खराब रहा। उन्होंने 6.40 के औसत से रन दिये कृष्णा इसी के साथ 6 से अधिक की इकॉनमी के साथ एक पारी में सबसे ज्यादा रन देने करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 6 से अधिक की इकॉनमी के साथ किसी गेंदबाज ने रन नहीं दिये हैं। प्रसिद्ध कृष्णा से पहले यह रिकॉर्ड मुरली कार्तिक के नाम था जिन्होंने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में 122 रन दिये थे। वहीं अतुल वासन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में 1990 में 108 रन दिये थे। जबकि मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में साल 2022 में 98 रन दिये थे। श्रीसंत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सेंट जॉन्स में साल 2006 में

रोहित शर्मा के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18 साल पूरे, खास दिन सोशल मीडिया पर जताया आभार

नई दिल्ली - जून 2007 में आयरलैंड के खिलाफ 20 वर्षीय रोहित शर्मा ने 18 साल पहले आज ही के दिन (23-6-2007) अपना अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया था। भारत के लिए दो बार आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18 साल पूरे करने पर अपना आभार व्यक्त किया। 'हिटमैन' ने खास मौके पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया, 'हमेशा आभारी, 23.06.07।' रोहित की कप्तानी में भारत 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा और अगले साल एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में पहुंचा, हालांकी टीम दोनों बार ट्रॉफी से चूक गया। उन्होंने 2024 में भारत को टी20 विश्व कप खिताब दिलाकर आईसीसी ट्रॉफी के 13 साल के इंतजार को खत्म किया और फिर 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर फैंस और देशवासियों को एक बार फिर से खुश होने का मौका दिया। रोहित 2024 में 150 से अधिक T20I में खेलने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए, हालांकि उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। शर्मा ने सभी प्रारूपों में 499 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 19,700 रन बनाए हैं। उनके नाम वनडे में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है, उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 264 रन बनाए थे।

अनुभवी फॉरवर्ड ललित उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास

एंटवर्प (एजेंसी)। एफआईएच प्रो लीग में भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे अनुभवी फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया। बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग 2024-25 सीजन के यूरोपीय चरण के भारत के अंतिम मैच के तुरंत बाद ललित ने सोशल मीडिया मंच के जरिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी से अपने संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने इस दौरे पर चार मैचों में हिस्सा लिया और उन्होंने 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला था।

ललित ने 2014 हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम में पदार्पण किया। वह एक बेहतरीन प्लेमेकर रहे, जो नियमित आधार पर गोल भी करते थे, उन्होंने कुल मिलाकर सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए खेले 183 मैचों 67 गोल किए। पिछले कुछ वर्षों में, वह भारत की फॉरवड लाइन में एक विश्वसनीय नाम बन गए थे। वह अपनी बहुमुखी प्रतिभा, मैदान पर बुद्धिमत्ता और उच्च दबाव की स्थितियों में शांत व्यवहार के लिए जाने जाते हैं।

वह टोक्यो 2020 ओलंपिक में इतिहास रचने वाली टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे, जिसने भारत को लंबे समय से प्रतीक्षित कांस्य पदक जीतने में मदद की और पेरिस 2024 ओलंपिक में यह उपलब्धि दोहराई। ओलंपिक गौरव के अलावा ललित ने 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2017 एशिया कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहां उन्होंने चार गोल किए थे उनके पदकों से भरे करियर में ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व लीग फाइनल 2017 में कांस्य, एफआईएच पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2018 में रजत, 2018 एशियाई खेलों में कांस्य और 2018 पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक शामिल हैं।

ललित एफआईएच प्रो लीग 2021-22 में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम का भी हिस्सा थे और हांग्जो में एशियाई खेलों 2022 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय हॉकी में उनके योगदान के लिए ललित को 2021 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्लोस अल्काराज ने लेहेका को हराकर दूसरा क्वींस क्लब खिताब जीता

लंदन। कार्लोस अल्काराज ने रविवार को जिरी लेहेका को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराते हुए एचएसबीसी चैंपियनशिप 2025 का फाइनल अपने नाम कर लिया। यह उनका दूसरा क्वींस क्लब खिताब है। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने इस सीजन का पांचवां खिताब जीता। उनके करियर की यह 21वीं टूर-लेवल ट्रॉफी है, जिसे जीतने के लिए उन्होंने रोमांचक और शानदार खेल का प्रदर्शन किया। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, 'यह टूर्नामेंट मेरे लिए खास है। मैं एक बार फिर ट्रॉफी उठाकर खुश हूं। मैं बिना किसी उम्मीद के यहां आया था। बस अच्छा टेनिस खेलने की कोशिश रही। मैं भाग्यशाली था कि चैंपियन बना। यहां मेरे बहुत सारे दोस्त और परिवार हैं, जिन्होंने मुझे कोर्ट के अंदर और बाहर वास्तव में सहज महसूस कराया।' फाइनल में लेहेका के खिलाफ खेलते हुए अल्काराज ने पहले सेट में बढ़त हासिल की थी। वह दूसरे सेट में तनावपूर्ण टाई-ब्रेक में बेहद कम अंतर से हार गए। लेकिन निर्णायक सेट में जोरदार वापसी की और ग्रास-कोर्ट में अपने अनुभव और क्षमता को दिखाया और सेट जीतने के साथ ही खिताब पर भी कब्जा किया। लेहेका का यह पहला ग्रास-कोर्ट फाइनल था। ग्रास कोर्ट पर अल्काराज का यह चौथा खिताब था। वह नोवाक जोकोविच, माटेओ बेरेटिनी, टेलर फिट्ज और निकोलस माहुत के साथ चार या उससे अधिक खिताब जीतने वाले एकमात्र सक्रिय खिलाड़ी बन गए। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में विंबलडन में प्रवेश करते हुए, अल्काराज ने 18 मैचों की जीत की लकीर खींची है। यह अबतक का उनका सबसे लंबा जीत क्रम है। मियामी में आश्चर्यजनक रूप से बाहर होने के बाद से अल्काराज लगभग अजेय रहे हैं। उन्होंने 27-1 का रिकॉर्ड बनाया है और मोटे-कार्लो, रोम, रोलैंड गैरोस और अब लंदन में प्रतिष्ठित खिताब जीते हैं। उन्होंने पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में जैनिक सिनर पर अपनी बढ़त भी बढ़ा ली है। फाइनल गंवाने के बाद लेहेका ने कहा, 'मेरे लिए अब शब्द ढूंढ़ने मुश्किल हैं। लेकिन, मैं बहुत खुश हूं कि मुझे आज खिताब के लिए लड़ने का मौका मिला। मैंने आज अपना सबकुछ दिया, दुर्भाग्य से यह पर्याप्त नहीं था। कार्लोस और उनकी टीम को शानदार काम करने के लिए बधाई।'

ईरान की धमकी के बाद डब्लयूडब्ल्यू ई पर मंडराया खतरा

न्यूयार्क। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने के कारण अगले सप्ताह सऊदी अरब में होने वाला डब्लयूडब्ल्यू ई इवेंट नाइट ऑफ चैंपियंस शो रद्द हो सकता है। इसका कारण हवाई यात्रा करने के लिए जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि मिसाइल हमले हो सकते है हालांकि सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था काफी मजबूत है। इसलिए अभी तक शो को रद्द करने की कोई घोषणा नहीं हुई है। वहीं इस बारे में आयोजकों का कना है कि अभी तक नाइट ऑफ चैंपियंस की योजना में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं अमेरिका के हमलों से भड़के ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा है कि क्षेत्र में मौजूद हर अमेरिकी नागरिक या सैन्यकर्मी अब हमारा निशाना है। इस बयान के बाद लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या यह शो होना चाहिए, क्योंकि डब्लयूडब्ल्यू ई एक अमेरिकी शो है जिसे पूरी दुनिया में देखा जाता रहा है। ईरान की धमकी के बाद कई लोग इस शो को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका के ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने के बाद भी कूटनीति के लिए अभी भी बहुत जगह बची है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने परमाणु ठिकानों पर हमला करके एक बहुत बड़ी लाल रेखा पार कर दी है। हमें आत्मरक्षा के अपने वैध अधिकार के आधार पर जवाब देना होगा। गौरतलब है कि सऊदी अरब में पहले भी डब्लयूडब्लयू ई के इवेंट हुए हैं। सऊदी अरब की सरकार सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। लेकिन ईरान की धमकी के बाद लोगों में डर का माहौल है। अब देखना यह है कि इस इवेंट को लेकर क्या फैसला होता है।

इस सत्र में मेरा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना है : नीरज चोपड़ा

ओस्ट्रावा (चेक गणराज्य) (एजेंसी)। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा नियमित रूप से 90 मीटर थ्रो करने का खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहते हैं और इस सत्र के लिए उनका लक्ष्य तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल करना है।

चोपड़ा मंगलवार को यहां गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेंगे और उससे पहले वह काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं। चोपड़ा ने पिछले हफ्ते पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर की थ्रो के साथ जूलियन वेबर को हराकर जीत हासिल की थी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने कहा कि चेक गणराज्य के महान खिलाड़ी जान ज़ेलेज़नी का कोच के रूप में साथ और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर उन्हें अच्छे परिणाम हासिल करने का पूरा भरोसा है।

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने दोहा में सत्र के शुरूआती डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपने करियर में पहली बार 90 मीटर की दूरी पार की थी और वह अपनी प्रगति से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे बेहतरीन खिलाड़ी और कोच के साथ काम करके वाकई बहुत खुश हूं। तकनीक में थोड़ा और सुधार करने के बाद मैं इस साल पहले ही 90 मीटर फेंक चुका हूं। देखते हैं कि मैं अगली बार कब यह दूरी फिर से हासिल करूंगा लेकिन मैं तैयार हूं। हाल ही में हमने निम्बर्क (चेक गणराज्य) में अच्छा अभ्यास किया इसलिए मैं यहां ओस्ट्रावा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर आश्वस्त हूं।' हरियाणा के इस खिलाड़ी ने कहा, 'इस सत्र का मुख्य लक्ष्य निश्चित रूप से तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप है।'

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप इस साल 13 से 21 सितंबर के बीच जापान की राजधानी में आयोजित की जाएगी। चोपड़ा मंगलवार को यहां होने वाली का प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'जब मैं छोटा था तो मैंने उसैन बोल्ट जैसे एथलीटों के यहां प्रतिस्पर्धा करते हुए बहुत सारे वीडियो और तस्वीरें देखी थीं। मैं पिछले साल यहां आया था, लेकिन चोट के कारण प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया था।' चोपड़ा ने कहा, 'अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं, लेकिन मैं 90 मीटर के लिए खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहता हूं पर मैं इसके लिए अपनी तरफ से पूरे प्रयास करूंगा।'

ओलंपिक डे पर बोले आईसीसी प्रमुख जय शाह, क्रिकेट ओलंपिक आंदोलन का

दुबई। आज ओलंपिक डे के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि क्रिकेट ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा है। जय शाह ने सोशल मीडिया में लिखा, क्रिकेट ने हमेशा हमें एकजुट किया है, और अब यह ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा है। इस ओलंपिक डे पर खेल की शक्ति का जश्न मनाएं जो प्रेरित करता है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के 'लेट्स मूव इंडिया' अभियान को बढ़ावा दें एक कदम चलने, दौड़ने या क्रिकेट खेलने के लिए आमंत्रित करें और एक मजबूत, स्वस्थ भारत की ओर कदम बढ़ाएं। साथ मिलकर, ओलंपिक खेलों को घर लाने की हमारी यात्रा में आगे बढ़ते रहें। वहीं बीसीसीआई ने भी ओलंपिक को लेकर पोस्ट किया। भारत ने पहले 2032 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी में रुचि दिखाई थी पर अब उसने 2036 सत्र के लिए आधिकारिक बोली लगाई है, जिसमें अहमदाबाद संभावित मेजबान शहर हो सकता है। भारत को मेजबानी के लिए पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्की, मेक्सिको और मिस्र से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। क्रिकेट साल 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में एक सदी से अधिक समय बाद शामिल किये जा रहे हैं। इसको लेकर सभी क्रिकेट खेलेन वाले देशों में उत्साह है। उनका मानना है कि इससे क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

घर की बालकनी में लगा दिए ये 4 पौधे, तो खुशबू से महक उठेगा आपका पूरा घर

घर को खूबसूरत बनाने के लिए लोग बहुत मेहनत करते हैं और अब आप अपने घर को खुशबू से भी महका सकते हैं। जी हां, अगर आप चाहते हैं कि आपका घर न केवल देखने में सुंदर हो बल्कि उसमें खुशबू भी फैले तो आपको अपनी बालकनी में कुछ खास पौधे लगाने चाहिए। इन खुशबूदार पौधों से ना केवल आपके घर की खूबसूरती बढ़ेगी, बल्कि इनकी महक से आपका मन भी प्रसन्न रहेगा। आइए जानते हैं, ऐसे चार खुशबूदार पौधों के बारे में जिन्हें आप अपनी बालकनी में लगा सकते हैं।

मोगरे का पौधा

अगर आप अपनी बालकनी में मोगरे का पौधा लगाते हैं, तो इसके फूलों की खुशबू पूरे घर में फैल जाएगी। मोगरे के फूलों की सुगंध इतनी प्यारी और मधुर होती है कि यह किसी को भी आकर्षित कर सकती है। मोगरे का पौधा बालकनी में लगाने से आपके घर के हर कोने में उसकी खुशबू पहुंच जाएगी, चाहे वह मेन दरवाजा हो या पीछे का दरवाजा। इसकी खुशबू आपके घर को एक अलग ही माहौल देगी।

चमेली का पौधा

चमेली के फूलों की खुशबू बहुत ही मनमोहक होती है। जब आप अपनी बालकनी में चमेली का पौधा लगाते हैं, तो यह आपके पूरे घर को महकाने में मदद करता है। चमेली के फूलों की महक आपके दिन को बेहतर बना सकती है और आपको ताजगी का अहसास करवा सकती है। इसे आप किसी सुंदर गमले में लगाकर अपनी बालकनी के किनारे पर रख सकते हैं। इस पौधे के फूलों से आपके घर में एक नई ऊर्जा और खुशबू का अहसास होगा।

रजनीगंधा का पौधा

रजनीगंधा के फूलों की खुशबू खासतौर पर रात के समय और भी ज्यादा तेज हो जाती है। रात के समय इसकी सुगंध इतनी ताजगी से भरी होती है कि आपको एक आरामदायक और चैन की नींद आती है। रजनीगंधा का पौधा बालकनी में रखने के साथ-साथ आप इसे घर के अंदर भी रख सकते हैं। इस पौधे को छायादार जगह पर भी लगाया जा सकता है, और यह कम रोशनी में भी अच्छी तरह से पनपता है। इसकी खुशबू आपके घर के वातावरण को शांति और सुखमय बना सकती है।

गुलाब का पौधा

गुलाब के फूलों की खुशबू बहुत ही लुभावनी होती है। गुलाब का पौधा आपके घर की बालकनी में लगाए तो यह न केवल आपके घर को महकाएगा, बल्कि घर की सुंदरता भी बढ़ाएगा। गुलाब के विभिन्न रंगों के फूल आपकी बालकनी को और भी खूबसूरत बना सकते हैं। गुलाब के फूलों की महक से पूरा घर महक उठेगा और यह आपकी हर एक सांस में समा जाएगी। गुलाब का पौधा किसी भी प्रकार के मौसम में बहुत अच्छे से पनपता है और यह आपके घर को ताजगी से भर सकता है।

खुशबू का मानसिक और शारीरिक प्रभाव

इन पौधों की खुशबू आपके मूड को भी फ्रेश कर सकती है। इनकी महक से आपका मानसिक तनाव कम हो सकता है और एक सुखद माहौल बन सकता है। जब आप इन पौधों के बीच बैठते हैं तो यह न केवल आपके घर को खुशबूदार बनाएंगे, बल्कि यह आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करेंगे। यह पौधे आपके घर में न केवल ताजगी और खूबसूरती लाते हैं, बल्कि आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचाते हैं।

आप इन चार पौधों को अपनी बालकनी में लगाकर घर को न केवल खूबसूरत बना सकते हैं, बल्कि इनकी खुशबू से आपका मन भी शांत रहेगा। तो अपनी बालकनी में इन पौधों को लगाकर अपने घर को खुशबूदार बनाएं और हर दिन एक ताजगी का अनुभव करें।

अनारकली सूट में दिखना है स्टनिंग तो अपनाएं ये फैशन हैक्स

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा-पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है।

जब भी किसी वेडिंग फंक्शन या फैमिली पार्टी के लिए तैयार होने की बात होती है तो अक्सर हम सभी एथनिक वियर पहनना पसंद करती है। इन एथनिक वियर में अनारकली सूट भी एक बेहतरीन एथनिक वियर ऑप्शन माना जाता है। यह एक ऐसा आउटफिट है, जो आपको एलीगेंट लेकिन रॉयल लुक देता है और शायद यही वजह है कि हर लड़की की वार्डरोब में अनारकली सूट होता ही है। यूं तो अनारकली सूट को ऐसे ही कैरी किया जा सकता है। लेकिन अगर इसके साथ कुछ आसान फैशन हैक्स को अपनाया जाए तो आप एक ही सूट को हर बार एक अलग तरह से कैरी कर सकती हैं। इतना ही नहीं, सिंपल सा अनारकली सूट भी आपके लुक को काफी एन्हॉन्स कर सकता है। अनारकली सूट को स्टाइल करते समय बस आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स पर ध्यान देने की जरूरत है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

दुपट्टे को यूं करें स्टाइल

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा-पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है। आप दुपट्टे को एक तरफ कंधे पर पिन कर दो और दूसरी तरफ ढीला छोड़ दो। इससे एक रॉयल लुक मिलता है। या फिर अगर आप चाहें तो कमर पर बेल्ट लगाकर दुपट्टा फिक्स किया जा सकता है। यह ना केवल स्टाइलिश लगता है, बल्कि दुपट्टे को मैनेजर करना भी आसान हो जाता है।

फुटवियर पर करें फोकस

जब आप अनारकली सूट पहन रही हैं तो उसके साथ हील्स को जरूर पहनें। फ्लैट्स से अनारकली में आपकी हाइट कम महसूस हो सकती है। अगर आप पेंसिल हील्स पहनने में कंफर्टेबल नहीं है तो ऐसे में ब्लॉक हील्स, मोजड़ी हील्स या कोल्हापुरी वेजेस पहने जा सकते हैं। वहीं, अगर आपको इसे लंबे टाइम तक पहनना है, तो कुशन वाले प्लेटफॉर्म हील्स को चुना जा सकता है। यह आपको कंफर्ट और ग्रेस दोनों देगा।

समझदारी से स्टाइल करें ज्वेलरी

अनारकली सूट के साथ एक्सेसरीज को थोड़ा स्मार्टली कैरी करना चाहिए। मसलन, अगर अनारकली सूट की नेकलाइन हाई है तो ऐसे में नेकपीस पहनने से बचें। इसकी जगह बस आप बड़े झुमके या चांदबालियां स्टाइल कर लें। वहीं, अगर नेकलाइन डीप है, तो सिंपल पेंडेंट और छोटे स्टड्स भी काफी अच्छे लगते हैं। इसके अलावा, दोनों हाथों को चूड़ियों से भरने की गलती ना करें। एक हाथ में स्टेटमेंट कड़ा रखो, दूसरे में वॉच।

अब मलाई से घी बनाना नहीं झंझट वाला काम, जानिए 2 मिनट की आसान ट्रिक

आज के समय में खाने-पीने की चीजों में मिलावट आम बात हो गई है। बाजार में मिलने वाला घी कितना शुद्ध है ये जानना मुश्किल हो गया है। इसलिए लोग अब कोशिश करते हैं कि जो चीज घर पर बन सके, उसे घर में ही तैयार करें। खासकर महिलाएं जो शुद्धता को लेकर ज्यादा सजग होती हैं वो मलाई से घर का घी बनाना पसंद करती हैं। हालांकि कई लोगों को लगता है कि मलाई से घी निकालना एक लंबा और झंझट भरा काम है। लेकिन अगर सही तरीका अपनाया जाए तो ये काम न सिर्फ आसान बल्कि बहुत जल्दी हो सकता है। हाल ही में एक ऐसी ट्रिक सामने आई है, जिससे सिर्फ 2 मिनट में घी निकाला जा सकता है वो भी बिना ज्यादा झंझट के।

कैसी मलाई लेनी चाहिए घी बनाने के लिए?

घी बनाने के लिए मलाई का सही होना सबसे जरूरी है। गीता चौधरी बताती हैं कि आपको 5 से 6 दिन पुरानी मलाई लेनी चाहिए। इससे ज्यादा पुरानी मलाई का इस्तेमाल ना करें, क्योंकि इससे घी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। आप चाहें तो हर दिन दूध उबालकर थोड़ा ठंडा करके फ्रिज में रखें, जिससे ऊपर एक अच्छी परत मलाई की जम जाती है। यही सबसे बढ़िया तरीका है ताजा मलाई इकट्ठा करने का।

मलाई को गर्म करने का सही तरीका

जब आपके पास पर्याप्त मलाई इकट्ठा हो जाए, तो उसे एक गहरे बर्तन में निकाल लें। अब इस मलाई को एक चम्मच से अच्छे से मिला लें ताकि जो भी गांठें बनी हों वो हट जाएं। इसके बाद, मलाई को हल्का सा गर्म करें बिलकुल उतना जितना दही जमाने के लिए दूध गर्म किया जाता है। इसका मकसद है मलाई को थोड़ा मुलायम और तैयार करना।

अब लगाएं दही जमाने वाली ट्रिक

इस स्टेप को खास मानती हैं। वे कहती हैं गर्म की गई मलाई में अब थोड़ा छाछ या जामन मिलाएं। जामन मिलाते वक्त ध्यान रखें कि मलाई ज्यादा गर्म ना हो सिर्फ इतनी गर्म हो कि आपकी उंगली उसमें आराम से जा सके। गीता ने बताया कि उन्होंने लगभग 2.5 चम्मच छाछ डाली थी। अगर आपकी छाछ खट्टी है, तो 2 चम्मच ही काफी होगी। अब इस बर्तन को 5-6 घंटे या पूरी रात के लिए ढक कर रख दें। इससे यह दही की तरह जम जाएगी।

2 मिनट में मक्खन कैसे निकालें?

जब मलाई दही की तरह जम जाए, तब आपको ज़्यादा मेहनत नहीं करनी। जमने के बाद इस दही में ठंडा पानी और बर्फ डाल दें। अब लकड़ी की मथनी (या रवी/चरणी) से इसे मथें। ध्यान रहे, आपको मिक्सर चलाने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। सिर्फ 2 मिनट मथने के बाद, मक्खन और छाछ अलग हो जाएंगे। यह तरीका खास तौर पर गर्मियों के मौसम में बेहद फायदेमंद है क्योंकि इसमें ना ज़्यादा वक्त लगता है, ना ही आपको किचन की गर्मी में पसीना बहाना पड़ता है।

अब घी बनाने की बारी

मक्खन तैयार हो जाने के बाद अब आखिरी स्टेप घी निकालने की है। मक्खन को एक गहरे बर्तन में डालें और धीमी आंच पर गर्म करें। थोड़ी ही देर में शुद्ध घी तैयार हो जाएगा, जिसे आप छानकर स्टोर कर सकती हैं। इस ट्रिक से बनाए गए घी को कोई पहचान नहीं सकता कि ये मलाई से निकाला गया है या बाजार से खरीदा गया है। साथ ही, एक और आसान तरीका है कुकर में घी बनाना, जो तेज़ और सुरक्षित रहता है। मलाई से घी निकालना अगर सही तरीके से किया जाए, तो यह न तो समय लेने वाला है और न ही झंझट वाला।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जब इंदौर से भुवनेश्वर जा रही फ्लाइट को अचानक एप्रन की ओर मोड़ा, रुक गई यात्रियों की सांसें

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के इंदौर से भुवनेश्वर की उड़ान भरने को तैयार इंडिगो की फ्लाइट ने सोमवार सुबह तब सभी की सांसें थाम दीं, जब टेक ऑफ से ठीक पहले तकनीकी खराबी का पता चला। 140 यात्रियों से भरे विमान को रनवे से वापस लौटना पड़ा, जिसके बाद हवाई अड्डे पर हलचल मच गई। देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर सुबह 9 बजे उड़ान भरने वाली फ्लाइट रनवे की ओर बढ़ रही थी, तभी पायलट को तकनीकी गड़बड़ी का अहसास हुआ। इसके बाद पायलट की त्वरित सतर्कता के कारण विमान को तुरंत एप्रन की ओर मोड़ दिया गया। एप्रन वह क्षेत्र है जहां विमानों का रख-रखाव, ईंधन भरण और यात्री उतार-चढ़ाव होता है। विमान के एप्रन पर पहुंचते ही इंडिगो के इंजीनियरों ने मोर्चा संभाला। बताया गया हैं कि खराबी मामूली थी, जिसे जल्द ही ठीक किया गया। खास बात यह रही कि इस दौरान यात्रियों को विमान से उतारने की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि, तकनीकी खराबी का सटीक विवरण नहीं दिया गया। तय शेड्यूल के अनुसार फ्लाइट को सुबह 9 बजे भुवनेश्वर के लिए रवाना होना था, लेकिन मरम्मत कार्य के कारण यह सुबह 10:16 बजे उड़ान भर सकी। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि विमान में सवार 140 यात्रियों ने राहत की सांस ली, जब फ्लाइट ने आखिरकार उड़ान भरी।

मेरठ के मेडिकल कॉलेज के बाथरूम में किशोरी के साथ रेप

- सीसीटीवी की मदद से पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ मेडिकल कॉलेज के हड्डी विभाग वार्ड में भर्ती 13 साल की किशोरी के साथ दूसरे मरीज के साथ रह रहे तीमारदार ने बाथरूम में बंधक बनाकर कर दुष्कर्म कर डाला। वहीं वारदात के बाद आरोपी मेडिकल से फरार हो गया। बच्ची की मां ने मेडिकल थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। सीसीटीवी की मदद से पुलिस ने देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, पुलिस ने किशोरी का मेडिकल करवाया जिसमें रेप की पुष्टि हुई है। मेरठ के इंचौली क्षेत्र के रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी के पैर में परेशानी के कारण 20 जून को मेरठ मेडिकल कॉलेज के हड्डी वार्ड में भर्ती कराया गया था। वही इसी वार्ड में काशीपुर (मुरादाबाद) का मोहित भी भर्ती था। मोहित का सड़क हादसे लेकिन एक पैर कट गया था और ऑपरेशन मेडिकल में हुआ था। मोहित की देखरेख को उसके साथ उसका भाई रोहित कर रहा था। किशोरी रात में बाथरूम गई तो पीछे से रोहित भी पहुंच गया और उसने किशोरी को बाथरूम में बंधक बनाकर दुष्कर्म कर रात्रि में ही फरार हो गया। किशोरी के गुमसुम रहने पर मां द्वारा काफी पूछे जाने पर किशोरी ने रोते हुए घटना की जानकारी दी। घटना पता चलते ही किशोरी की मां ने पहले डॉक्टरों और इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पहले किशोरी के बयान दर्ज किए और बाद में उसका मैडिकल करवाया, जिसमें रेप की पुष्टि की गई। वही मेडिकल में सुरक्षा की लापरवाही पर भी जांच की जा रही है।

भारी बारिश के कारण माता वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन, कोई हताहत नहीं

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के नए मार्ग पर सोमवार को भूस्खलन हो गया जिसके कारण बैटरी कार सेवा को स्थगित करना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रा अब पुराने मार्ग से संचालित की जा रही है और बिना किसी व्यवधान के जारी है। अधिकारियों ने बताया कि हिमकोटी मार्ग पर 'सत्या व्यू प्वाइंट' के पास जिस समय भूस्खलन हुआ तब वहां श्रद्धालुओं की आवाजाही नहीं थी। उन्होंने बताया कि श्राइन बोर्ड ने तुरंत अपने कर्मियों और मशीनों को 30 फुट से अधिक क्षेत्र में फैले मलबे को साफ करने के काम में लगा दिया।

नौ बच्चों की मां ने प्रेमी संग मिलकर पति को उतारा मौत के घाट

कासगंज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के कस्बा भरगैन में नौ बच्चों की मां ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। शव को ट्यूबवेल के हौज में फेंक दिया। वारदात के बाद बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई। सूचना पर एसपी, एएसपी, सीओ समेत अन्य अधिकारी व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं, मृतक के भाई अरविंद की तहरीर पर भाभी रीना और उसके प्रेमी हनीफ के खिलाफ केस दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम में अब तक 97 'राष्ट्र विरोधी' गिरफ्तार : हिमंत

डिसपुर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम के विभिन्न हिस्सों से कथित तौर पर 'हिंदू विरोधी' होने के आरोप में दो और लोगों को गिरफ्तार करने के बाद अब तक कुल 97 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। सीएम शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा कि तिनसुकिया और नगांव जिलों से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। ''हिंदू विरोधी तत्वों पर कार्रवाई जारी...97 राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी अपराधी अब सलाखों के पीछे। सीएम सरमा ने कहा कि तिनसुकिया से गिरफ्तार व्यक्ति ने हिंदू धर्म पर आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया पर साझा की थी, जबकि नगांव के आरोपी ने भगवान राम पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। बात दें कि सीएम शर्मा ने आतंकी हमले के बाद 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाने वालों की 'टांगें तोड़ने' की धमकी दी थी। पंचायत चुनावों के लिए एक रैली को संबोधित कर उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना को ताकत देने और प्रार्थना करने की अपील की थी, ताकि दुनिया में कहीं भी छिपे पाकिस्तानी आतंकवादियों को पकड़कर 'उनकी टांगें तोड़ दी जाएं'।

मौसम विभाग को भी धोखा दे रहे बदरा, कभी येलो तो कभी रेड अलर्ट के अनुमान हो रहे फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम पर नजर रखने वाले जानकारों को भी बदरा धोखा दे रहे हैं। हालात ये हैं कि कई बार अलर्ट जारी होता है पर बारिश नहीं होती। ये अनुमान कई बार फेल हुए हैं। मौसम विभाग के लिए मई और जून में मौसम का आकलन करना काफी जटिल हो रहा है। मौसम विभाग की पूर्वानुमान सटीकता भी इन दो महीनों में सबसे कम रहती है। 2025 में भी मई की पूर्वानुमान सटीकता महज 81 प्रतिशत रही। यह छह सालों में सबसे कम है। जून में भी इस साल पूर्वानुमान कई बार अच्छा नहीं रहा। तीन दिन पहले रेड अलर्ट जारी किया था जिसे बाद में वापस लेना पड़ा। मानसून भी 22 जून तक पहुंचने का पूर्वानुमान किया गया था, लेकिन लोग बीते चार दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

मई में भी कई मौकों पर आंधी का पूर्वानुमान करने में मौसम विभाग विफल रहा। वहीं जून में भी कई बार बारिश का पूर्वानुमान किया गया, लेकिन बारिश चकमा दे गई। या फिर बिना पूर्वानुमान के बारिश आ गई। बारिश शुरू होने के बाद रेड अलर्ट जारी किया गया। आईएमडी के अनुसार, पूरे साल की बात करें तो मई तक इस साल का एक्यूरेसी रेट बीते साल की तुलना में थोड़ा सा सुधरा है। जनवरी से मई 2025 तक यह 92 प्रतिशत रहा है। 2024 में मई तक की पूर्वानुमान सटीकता 91 प्रतिशत थी। इसमें भी प्री मॉनसून सीजन की सटीकता मई तक महज 88 प्रतिशत रही है। प्री मॉनसून सीजन मार्च से मई तक रहता है। यह छह सालों में सबसे कम है।

आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि दूर दराज में बन रहे सिस्टम के अलावा छोटे स्तर पर होने वाली गतिविधियां भी जरूरी बदलाव करने में सक्षम होती हैं। कोई भी मॉडल और तकनीक 100 प्रतिशत सही पूर्वानुमान नहीं कर सकती। 24 घंटे के पूर्वानुमान में आईएमडी की एक्यूरेसी 80 प्रतिशत से ज्यादा है। इसके अलावा 5 दिनों के पूर्वानुमान में भी यह 60 प्रतिशत से अधिक की है। आईएमडी अधिकारी के अनुसार, मॉनसून और प्री मानसून सीजन में पूर्वानुमान काफी जटिल होता है। इसके कई फैक्टर होते हैं। मई, जून में तापमान बहुत अधिक होता है और उस समय हवाओं के साथ नमी भी आने लगती हैं। इसकी वजह से पहाड़ और महासागर में बनने वाले सिस्टम दिल्ली में मौसमी बदलाव करते हैं। लेकिन इसके साथ-साथ लोकल स्तर पर भी कई कारण कई बार बादलों को बनने में मदद करते हैं। अधिकारी के अनुसार, प्री मॉनसून में खासतौर पर पूर्वानुमान आंधी और इन्हीं लोकल वजहों की वजह से काफी ट्रिकी हो जाता है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मू के भाषणों के संग्रह का विमोचन किया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अपने कार्यकाल के दूसरे वर्ष के दौरान दिए गए 51 भाषणों के संग्रह का सोमवार को विमोचन किया। सिंह ने इस मौके पर कहा कि यह ''विकसित भारत के दृष्टिकोण का कर्म ग्रंथ'' बनेगा। राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने अंग्रेजी में 'विंग्स टू आवर होप्स-वॉल्यूम-2' और हिंदी में 'आशाओं की उड़ान-खंड-2' नाम से प्रकाशित पुस्तक और इसके ई-संस्करण का विमोचन किया। राष्ट्रपति के भाषणों को राष्ट्रपति भवन ने संकलित और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग ने प्रकाशित किया है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन भी मौजूद थे।रक्षामंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''यह पुस्तक 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का साधन बनेगी।'' सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया था कि 'विंग्स टू आवर होप्स-वॉल्यूम-2' राष्ट्रपति के 51 भाषणों का संग्रह है, जो महामहिम के कार्यकाल के दूसरे वर्ष (अगस्त 2023- जुलाई 2024) के दौरान उनके दृष्टिकोण, दर्शन और प्राथमिकताओं की झलक प्रदान करता है।

यूपी में बिजली निजीकरण के खिलाफ नौ जुलाई को देशव्यापी हड़ताल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण के खिलाफ नौ जुलाई को देशव्यापी हड़ताल की जाएगी जिसमें किसानों और उपभोक्ता मंचों की सक्रिय भागीदारी होगी। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआइपीईएफ) के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ में रविवार को हुई बिजली महापंचायत में यह निर्णय लिया गया कि उत्तरप्रदेश में बिजली कर्मचारी दो जुलाई को विरोध प्रदर्शन करेंगे और यूपीपीसीएल द्वारा निजीकरण के लिए टेंडर नोटिस जारी किए जाने के दिन से काम का बहिष्कार शुरू करेंगे। उसी दिन सभी 27 लाख बिजली कर्मचारी सांकेतिक हड़ताल करेंगे। कर्मचारियों के साथ किसान संगठन और उपभोक्ता भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि महापंचायत में पंजाब समेत देश की प्रमुख यूनियनों और राज्य संघों के शीर्ष नेतृत्व और किसान संगठनों की भागीदारी ने दिखा दिया है कि बिजली क्षेत्र के निजीकरण के दुष्प्रभावों को लेकर सभी चिंतित हैं। एआईपीईएफ के मीडिया सलाहकार वी के गुप्ता ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दर्शन पाल और ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के कार्यकारी प्रबंध निदेशक रमानाथ झा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिजली कर्मचारियों, विभिन्न ट्रेड यूनियनों, किसानों की विशाल सभा को संबोधित किया। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने भी मंच पर उपभोक्ताओं की चिंताओं को रखा। प्रमुख वक्ताओं में ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महासचिव शिवगोपाल मिश्रा, एआईपीईएफ के एके जैन, ऑल इंडिया पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स फेडरेशन के अध्यक्ष आरके त्रिवेदी, इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज ऑफ इंडिया के महासचिव सुदीप दत्ता, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के डी.के. अरोड़ा, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता वाई.एस. लोहित और यूपी अभियांत्रिकी संघ के महासचिव जितेन्द्र गुर्जर शामिल थे। दुबे ने कहा कि यह विरोध अब राष्ट्रीय स्वरूप ले रहा है जहां सभी वक्ताओं ने विद्युत वितरण क्षेत्र के निजीकरण का पुरजोर विरोध किया। महापंचायत में यह भी मांग की गई कि यूपीपीसीएल में विद्युत कर्मचारियों के साथ किए गए सभी उत्पीड़न को वापस लिया जाए और पूर्व में किए गए सभी समझौतों का सख्ती से पालन किया जाए।

दिल्ली के जख्म पर गुजरात और पंजाब की जीत ने लगाया मरहम

गदगद केजरीवाल ने कहा, कांग्रेस और बीजेपी को जनता ने नकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों करारी हार झेलने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा के गढ़ गुजरात में विसावदर विधानसभा सीट पर जीत का परचम लहराया है। इस सीट पर हुए उपचुनाव में आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया जीत गए हैं। वहीं, पंजाब के लुधियाना वेस्ट सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने जीत हासिल की है। इन दोनों सीट पर मिली जीत से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल गदगद हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों सीट पर जनता ने भाजपा और कांग्रेस को नकार दिया है। केजरीवाल ने पोस्ट कर लिखा, ÷विसावदर और लुधियाना पश्चिम सीटों पर आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर आप सभी को बहुत बहुत बधाई। दोनों जगह पिछले चुनाव के मुकाबले लगभग दोगुने मार्जिन से जीत हुई है। ये दिखाता है कि पंजाब के लोग हमारी सरकार के कामों से बहुत खुश हैं और उन्होंने 2022 से भी ज़्यादा वोट दिया है। वहीं गुजरात की जनता अब बीजेपी से परेशान हो चुकी है और उन्हें आप में उम्मीद दिख रही है। दोनों जगह कांग्रेस और बीजेपी, दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ीं। इन दोनों का एक ही मकसद था आप' को हराना। लेकिन लोगों ने दोनों जगह इन दोनों पार्टियों को नकार दिया।'

वहीं, लुधियाना वेस्ट सीट से आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की जीत पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुशी जाहिर की।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'विधानसभा हलका लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर सभी को बहुत-बहुत बधाइयां। बड़ी लीड से मिली यह जीत इस बात का साफ संकेत है कि राज्य के लोग हमारी सरकार के कामों से बेहद खुश है। हम पंजाब की तरक्की और खुशहाली के लिए दिन-रात बिना किसी भेदभाव और पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उपचुनाव के दौरान पंजाबियों से किए गए हर एक वादे को हम प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने वाले है।

आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि गुजरात और पंजाब के कार्यकर्ता को बधाई देता हूं। गुजरात की जीत पार्टी के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। हमारे विधायक जनता के मुद्दों को विधानसभा में मजबूती के साथ उठाएंगे। अरोड़ा पंजाब की विधानसभा में पहुंचे हैं। भगवंत मान की सरकार तीन साल से अच्छा कार्य कर रही है। विधानसभा उपचुनाव में जनता ने अपने वोट की मुहर लगाई है। राज्यसभा सीट खाली होने पर सिसोदिया ने कहा कि पार्टी जब तय करेगी तब बताया जाएगा कि कौन

राज्यसभा जाएगा।

आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने लुधियाना वेस्ट सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की जीत पर कहा कि संजीव अरोड़ा काफी प्रसिद्ध थे। उनकी जीत से एक राज्यसभा सीट खाली होगी। भारद्वाज ने कहा कि इसे ऐसा नहीं देखा जाना चाहिए कि राज्यसभा सीट खाली कराने के लिए उन्हें चुनाव लड़वाया गया।

उपचुनावों में भाजपा की हार पर अखिलेश बोले-भाजपा अपने अंतिम दौर में

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विभिन्न राज्यों में विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की जीत पर बधाई दी है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि गुजरात, प. बंगाल, पंजाब, केरल के विधानसभा उपचुनावों में 80 फीसदी सीटों पर 'इंडिया गठबंधन' से संबद्ध दलों की जीत बता रही है कि भाजपा अपने अंतिम दौर में है। उन्होंने लिखा कि सभी विजयी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई एवं सकारात्मक-जनसेवी राजनीति के मार्ग पर वचनबद्ध होकर चलने के लिए शुभकामनाएँ! जनता की जागरूकता ही परिवर्तन लाएगी। 'इण्डिया' ही इंडिया को आगे ले जाएगा!

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दी कांग्रेस को चुनौती, 5 साल से ज्यादा काम हमारी सरकार ने डेढ़ साल में किया

कांग्रेस ने गरीबी हटाने का नारा देकर गरीब को लूटा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस को चुनौती देकर कहा, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वे खुले मंच पर आ जाएं। उनके 5 साल के हिसाब से हमारे डेढ़ साल का हिसाब ऊपर न चला जाए, तब आप बता दीजिएगा। सीएम शर्मा सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सीएम भजनलाल ने कहा कि कांग्रेसी कहते हैं कि मुख्यमंत्री रुकते नहीं हैं। अरे भाई सोने के लिए और होटल में रुकने के लिए आप ही बहुत थे। राजस्थान की जनता का दर्द समझिए। राजस्थान के उस युवा का दर्द समझिए। राजस्थान की उस प्यासी धरती का दर्द समझिए।

उन्होंने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। मैं कहना चाहता हूं उनसे कि राजस्थान में आज भी बहुत बड़ी आवश्यकता है। राजस्थान के युवा, किसान, मजदूर के लिए आज काम करने की आवश्यकता है। घर में बैठने की आवश्यकता नहीं है।

कांग्रेस पर हमलावार होकर सीएम शर्मा ने कहा कि आपने 5 साल में कितनी बिजली उत्पादन की थी। हमारी सरकार ने डेढ़ साल में कितनी बिजली उत्पादन की है। कितने कनेक्शन दिए हैं। एक बार आंकड़े मंगवा लीजिए। आप ट्वीट करते हैं जनता को क्या बताना चाहते हैं। मैं आपसे स्पष्ट कहना चाहता हूं की जनता को धोखे में रखने का काम नहीं करें।

सीएम भजनलाल ने कहा कि कांग्रेस ने बीते 70 सालों में गरीबी हटाने का नारा देकर गरीब को लूटने का काम किया। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने बजट में कहा था कि हम 5 हजार गांव को बीपीएल मुक्ति करने वाले है। हमने उसके लिए 300 करोड़ रुपए भी दिए और मैं आपको बताना चाहता हूं। आने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय पखवाड़े में 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्ति कर देने वाले है। जो हमारी योजना है उनका लाभ उन्हें मिले।

वाईएसआरसीपी प्रमुख की गाड़ी से कुचला कार्यकर्ता, रेड्डी व ड्रायवर पर मामला दर्ज

गुंटूर (एजेंसी)। आंध्र पुलिस ने वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी और उनके ड्राइवर के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ता की दुर्घटनावश मौत के लिए एफआईआर दर्ज की है। बता दें पार्टी कार्यकर्ता बुधवार को गुंटूर के बाहरी इलाके में जगन रेड्डी की कार के पहियों के नीचे आ गया था। पुलिस ने रविवार को कार चालक रमना रेड्डी को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की कि वह काफिले को रोके बिना आगे क्यों बढ़ गया क्यों? चीली सिंगैया को वाहन के नीचे कुचल दिया गया था।

पुलिस के मुताबिक सिंगैया नामक एक बुजुर्ग व्यक्ति इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुंटूर जिले के एसपी ने कहा कि यह घटना 18 जून की बताई जा रही है, जब रेड्डी वाईएसआरसीपी नेता के परिवार से मिलने के लिए रेन्टापल्ला जा रहे थे, जिनकी पिछले साल आत्महत्या कर लेने से मौत हो गई थी। दुर्घटना के समय उनका काफिला

एतुकुरु बाईपास से गुजर रहा था। एसपी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज ड्रोन विजुअल और परिस्थितिजन्य सामग्री समेत कई सबूतों का विश्लेषण करने के बाद यह पाया गया कि मृतक को पूर्व सीएम के वाहन ने कुचला था।

शुरुआत में मृतक की पत्नी चीली लुरधु मैरी द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर लापरवाही से मौत से संबंधित मामला दर्ज किया था। एसपी ने कहा कि बुजुर्ग सिंगैया के बारे में सूचना मिलने पर उन्हें गंभीर रक्तस्राव की चोटें आईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उनकी पत्नी चीली लुरधु मैरी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन विजुअल और परिस्थितिजन्य साक्ष्य का विश्लेषण करने के बाद पुलिस ने पुष्टि की कि मृतक को काफिले में पूर्व सीएम के वाहन ने कुचल दिया था। एसपी ने कहा कि उनके नाम आरोपियों की सूची में जोड़ दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कानूनी कार्रवाई उचित प्रक्रिया और कानून के लागू प्रावधानों के अनुसार आगे बढ़ेगी।

भारत के बंकर बस्टर, जो ब्रह्मोस के भी हैं बाप, पलभर में खाक बन जाएंगे पाकिस्तान के परमाणु ठिकाने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पास तो कई मिसाइल और फाइटर जेट्स हैं जो पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों को तबाह करने में कैपेबल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने नूर खान एयरबेस पर अटैक कर इसका ट्रेलर पाकिस्तान को दिखा दिया था। बता दें कि इस एयरबेस के पास ही किराना हिल्स स्थित है, जहां पाकिस्तान के परमाणु हथियार का जखीरा मौजूद है। भारत के पास 5 ऐसे वेपन हैं जो पाकिस्तानी परमाणु ठिकानों को पलभर में खाक में मिलाने में सक्षम है।

अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल न्यूक्लियर वॉरहेड (परमाणु बम या हथियार) ले जाने में सक्षम है। इसकी रेंज 5800 किलोमीटर से भी ज्यादा है। इसी वजह से इस इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यानी आईसीबीएम भी कहा जाता है। अग्नि-5 मिसाइल को टेक्नोलॉजी से भी लैस कर दिया गया है। एमआईआरवी को मिसाइल बस की उपमा भी दी जाती है।

ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। शुरुआत में इसकी रेंज 290 किलोमीटर थी, जिसे बढ़ाकर अब 400 से 450 किलोमीटर किया जा चुका है। अब भारत इसे हाइपरसोनिक बनाने में जुटा है जो 1500 किलोमीटर दूर स्थित टारगेट को भी तबाह कर सकती है। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत ने इसी मिसाइल से नूर खान समेत 11 एयरबेस को तबाह किया था। इसके बाद पाकिस्?तान घुटनों पर आ गया था।

भारत ने एयरफोर्स के लिए फ्रांस से कटिंग एज राफेल फाइटर जेट का आयात किया है। यह जेट खतरनाक मिसाइल से लैस है जो किसी भी टारगेट को पलभर में तबाल करने में सक्षम है। खासकर स्कैल्प मिसाइल दुश्मनों के लिए काल से कम नहीं है। इसके जरिये पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों को तबाह करना काफी आसान है। राफेल जेट 4.5 का विमान माना जाता है।

डीआरडीओ ईटी-एलडीएचसीएम हाइपरसोनिक मिसाइल डेवलप कर रहा है। बताया जा रहा है कि जल्द ही इसकी टेस्टिंग की जाएगी। यह स्क्रैमजेट इंजन से लैस है। रेंज के बारे में आधिकारिक जानकारी तो नहीं दी गई है, लेकिन इसके मीडियम रेंज के होने की संभावना है। इसकी मैक 8 यानी 11000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टारगेट की ओर मूव करने में कैपेबल होगी। इससे एयर डिफेंस सिस्टम के लिए इसे ट्रैक करना कतई आसान नहीं होगा। इसकी रेंज में पूरे पाकिस्तान के होने की संभावना है।

एसयू-30 एमकेआई ने कई मौकों पर भारत का साथ दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी इसका इस्तेमाल किया गया था। पाकिस्तान में इससे भारी तबाही मची थी। एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट में कई

तरह की स्वदेशी मिसाइलों को फिट किया जा सकता है, ऐसे में इसकी भीषणता और घातक होने की क्षमता काफी बढ़ जाती है। इसमें ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल को भी फिट किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील में हॉट एयर बैलून में लगी आग, सीधे जमीन पर गिरे 21 लोग, 8 की मौत

ब्रासीलिया , एजेंसी। ब्राजील के दक्षिणी राज्य सांता कैटरीना में एक दिल दहलाने वाला हादसा पेश आया है. स्थानीय और राज्य अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को कैटरीना में 21 यात्रियों को ले जा रहा एक हॉट-एयर बैलून दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कम से कम आठ लोगों की जान चली गई है. स्टेट फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक सुबह के समय उड़ान के दौरान टूरिस्ट गुब्बारे में आग लग गई और वह प्रिया ग्रांडे शहर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. 21 यात्रियों में से 8 लोगों की मौत हो गई है. घायल हुए 13 जीवित बचे लोगों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पहले भी हो चुका है हादसा हादसे की ये कोई पहली घटना नहीं है. जी1 ने रिपोर्ट के मुताबिक पिछले रविवार को साओ पाउलो राज्य में एक गुब्बारा गिर गया था, जिसमें 27 साल की एक महिला की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हुए थे. ब्राजील में प्रिया ग्रांडे हॉट-एयर बैलूनिंग के लिए एक आम जगह है, जो जून में सेंट जॉन जैसे कैथोलिक संतों के उत्सव के दौरान ब्राजील के दक्षिण के कुछ हिस्सों में एक लोकप्रिय गतिविधि है. इसको करने के लिए दूर दूर से लोग यहां आते हैं. सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो हादसा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. बिना जिम्मेदारी के टूरिस्टों की इस एक्टिविटी पर लोग सवाल खड़े कर रहे हैं. एक यूजन ने वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, जिम्मेदारी के बिना साहसिक कार्य अपराध है - पर्यटन नहीं. इसके साथ ही इस हादसे ने ब्राजील के सांता कैटरीना अधिकारियों को भी घेरे में ला दिया है कि बिना सुरक्षा जांच के राज्य में कैसे ऐसी एक्टिविटी चलाई जा रही हैं।

ट्यूनीशिया के पूर्व राष्ट्रपति मार्जोकी को 22 साल की सजा

ट्यूनिस, एजेंसी। ट्यूनीशिया की एक अदालत ने शुक्रवार को राष्ट्रपति कैस सईद के कटु आलोचक पूर्व राष्ट्रपति मोनसेफ मार्जोकी को राज्य की सुरक्षा को कमजोर करने के आरोप में 22 साल की सजा सुनाई। जब सजा सुनाई गई मार्जोकी अदालत में उपस्थित नहीं थे। मार्जोकी को तीसरी बार सजा सुनाई गई है। पिछले साल एक अदालत ने विभिन्न मामलों में आठ साल और चार साल की सजा सुनाई थी। 2011 से 2014 तक राष्ट्रपति रहे मार्जोकी ने सईद पर संसद को बर्खास्त करने और डिक्री द्वारा शासन करने के बाद एक सत्तावादी शासन स्थापित करने का आरोप लगाया, क्योंकि उन्होंने 2011 में लगभग सभी शक्तियों को जब्त कर लिया था। सईद ने ट्यूनीशिया को स्थिर करने के लिए आवश्यक कदम के रूप में अपने कार्यों का बचाव किया।

नाइजीरिया : आत्मघाती हमले में 12 की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तरपूर्वी बोर्नो राज्य में शुक्रवार रात मछली बाजार में एक महिला आत्मघाती हमलावर ने 12 लोगों की हत्या कर दी। हमले में 30 लोग घायल भी हुए हैं। बोर्नो राज्य पुलिस के प्रवक्ता नाहुम केनेथ दासो ने बताया कि महिला अपने शरीर पर विस्फोटक उपकरण बांधे हुए मछली बाजार में घुसी और फिर नागरिकों के बीच विस्फोट कर दिया। दासो ने कहा कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। बता दें कि बोर्नो राज्य एक उग्रवाद का गढ़ है, जो मुख्य रूप से इस्लामी सशस्त्र समूह बोको हराम द्वारा संचालित है। पिछले 16 वर्षों में यहां से करीब 20 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं।

पाकिस्तान : आतंकियों से झड़प, मिलिशिया लीडर समेत 4 की मौत

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों से झड़प में सशस्त्र मिलिशिया के ग्रुप लीडर समेत चार सदस्य मारे गए। मर्दन जिले के बैजई थाने के एक अधिकारी ने पीस लश्कर के कमांडर जुबैर की शुक्रवार को प्रांत के स्वात और बुनेर जिलों की सीमा से लगे कटलिंग क्षेत्र के पहाड़ी इलाके में आतंकियों से झड़प में मारे जाने की पुष्टि की। पीस लश्कर स्वयंसेवकों का एक समूह है।

चीन-पाकिस्तान और बांग्लादेश ने कुनमिंग में विदेश मंत्रालय स्तर की बैठक की

बीजिंग, एजेंसी। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने इस सप्ताह चीन के कुनमिंग शहर में विदेश मंत्रालय स्तर की बैठक की है। ये तीनों देशों के बीच पहली बैठक है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बैठक को लेकर जानकारी साझा की है। हालांकि, अभी बैठक किस दिन हुई, ये सामने नहीं आया है। बैठक में चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग, बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश सचिव रुहुल आलम सिद्दीकी और पाकिस्तान के अतिरिक्त विदेश सचिव इमरान अहमद सिद्दीकी शामिल हुए। पाकिस्तान की विदेश सचिव आमना बलूच वीडियो लिंक के माध्यम से इसमें शामिल हुईं। बलूच ने चीन की पहल की सराहना की और कहा कि यह बैठक तीनों देशों के बीच लोगों-केंद्रित विकास के लिए सहयोग बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है।

पाकिस्तान में क्रिप्टो बिजनेस की कमान संभालेंगे आर्मी चीफ मुनीर

34 हजार करोड़ के क्रिप्टो बिजनेस की तैयारी में अमेरिका; ट्रम्प-शहबाज फैमली भी पार्टनर

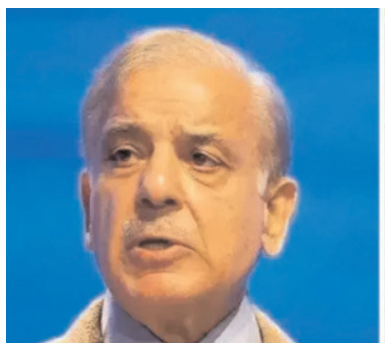

इस्लामाबाद/वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कुनबे का क्रिप्टो कारोबार अब आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर संभालेंगे। वाइट हाउस में हाल में ट्रम्प द्वारा मुनीर को डिनर डिप्लोमेसी के तहत न्योते में क्रिप्टो डील को फाइनल करना था। पाक क्रिप्टो काउंसिल ने पाकिस्तान के 17,000 करोड़ रुपए के क्रिप्टो बिजनेस का ट्रम्प परिवार के दबदबे वाली वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल से करार किया है। पाक सरकार ने क्रिप्टो बिजनेस के अनुकूल नीतियों में बदलाव भी शुरू कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार ट्रम्प परिवार अगले दो साल में पाक में क्रिप्टो बिजनेस को दोगुना कर 34 हजार करोड़ रुपए करने की तैयारी में है। मुनीर पाक में क्रिप्टो बिजनेस को अपने हाथ में लेंगे। इसे ऑपरेशन सिंदूर के बाद मुनीर द्वारा सीजफायर करने का ट्रम्प की ओर से इनाम समझा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार ट्रम्प-मुनीर में डील कराने में पाक मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन साजिद तरार अहम किरदार हैं। रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े तरार फाइनेंस व रियल एस्टेट फर्म मैक्सिसमस इन्वेस्टमेंट ग्रुप चलाते हैं। मुनीर को डिनर का न्योता दिलाने में भी तरार का मुख्य रोल रहा।

मुनीर को कमान क्यों... पाकिस्तानी आर्मी के कई बिजनेस भी चलते हैं। अनुमान है कि पाक आर्मी का लगभग सवा दो लाख करोड़ रुपए का बिजनेस है। फौजी फाउंडेशन (एफडी), आर्मी वेलफेयर ट्रस्ट (एवीटी) और डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी (डीएचए) जैसे संगठन ये बिजनेस चलाते हैं। ये संगठन उर्वरक, सीमेंट, ऊर्जा, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों में व्यापार करते हैं। आर्मी चीफ मुनीर इस आर्मी के बिजनेस की आय के कुछ हिस्सा क्रिप्टो करंसी में भी लगा सकते हैं। क्रिप्टो में आतंक को फंडिंग का मंसूबा पाकिस्तान आतंकी फंडिंग के कारण एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) संस्था की वॉचलिस्ट में है। जानकारों का मानना है कि पाक क्रिप्टो करंसी में आतंकी फंडिंग कर एफएटीएफ के निगरानी तंत्र को गच्चा दे सकता है। क्रिप्टो करंसी में शामिल ब्लॉकचेन की जटिलता लेनदेन को ट्रैक करना मुश्किल बनाती है। इसका फायदा उठाकर अवैध आतंकी फंडिंग छिपाई जा सकती है। पाक को द. एशिया की क्रिप्टो कैपिटल बनाने का प्लान ट्रम्प का प्लान है कि पाकिस्तान को दक्षिण एशिया की क्रिप्टो कैपिटल बनाया जाए। चेन एनालिसिस रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लोबल क्रिप्टो एडैप्टेशन में पाकिस्तान 9वें नंबर पर है। यहां पिछले तीन साल में क्रिप्टो बिजनेस दोगुना हो गया है। करीब 24.5 करोड़ की आबादी में से लगभग 2.75 करोड़ लोग क्रिप्टो यूजर हैं- जो दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा है। इसकी बड़ी वजह वहां की ब्लैक इकोनॉमी मानी जा रही है। पाक जीडीपी में 46वें, प्रति व्यक्ति आय में 155वां नंबर पर है। क्रिप्टो करंसी वॉलेट, माइनिंग का प्लान पीएम शहबाज के क्रिप्टो पर सलाहकार बिलाल ने वेगास कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस की मौजूदगी में कहा, पाक क्रिप्टो करंसी वॉलेट और बिटकॉइन माइनिंग का प्लान बना चुका है।

इसे जल्द लागू कर दिया जाएगा। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान और सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड को भी क्रिप्टो को लेकर नए कानून बनाने के लिए गाइडलाइंस बनाने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि सरकार ने बिटकॉइन माइनिंग फर्म और एआई डेटा सेंटर के लिए दो हजार मेगावॉट की अतिरिक्त पावर सप्लाई की मंजूरी दी है। ट्रम्प के दो बेटे व दामाद, शरीफ खानदान के दो बेटे पार्टनर होंगे क्रिप्टो करंसी के कारोबार से अमेरिका और पाकिस्तान के राजनीतिक परिवारों को बड़ा फायदा मिल सकता है। पाकिस्तान ने इसके लिए वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) से करार किया है, जिसमें ट्रम्प परिवार की 60प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है। ट्रम्प के सलाहकार जाकरी विटकॉफ के बेटे स्टीव, जो डब्ल्यूएलएफ से जुड़े हैं, हाल ही में इस्लामाबाद में मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ से मिले थे। डोनाल्ड ट्रम्प के बड़े बेटे हैं। डब्ल्यूएलएफ में 25प्रतिशत हिस्सेदारी है। पाक में क्रिप्टो कारोबार को लीड करेंगे।

मानवता ने खोले नरक के द्वार, वैश्विक संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की चेतावनी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। वैश्विक संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है। न्यूयॉर्क में जलवायु संकट पर आयोजित शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि मानवता ने नरक के द्वार खोल दिए हैं। भयंकर गर्मी के भयानक प्रभाव हो रहे हैं। बाढ़ में फसलों को बहता देखकर किसान परेशान हैं। गर्मी से बीमारियां फैल रही हैं। गुटेरेस ने कहा कि चुनौती के पैमाने के सामने जलवायु कार्रवाई बौनी पड़ रही है। अगर कुछ नहीं बदला तो हम एक खतरनाक और अस्थिर दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु कार्रवाई पर महत्वाकांक्षाओं को बढ़ाना है। गुटेरेस ने कहा कि विकसित देश 2040 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करें। वायु मंडल से वह उतना ही प्रदूषण हटाएं, जितना कि वे पैदा करते हैं। उन्होंने देशों से जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए समय सीमा तय करने के लिए कहा। साथ ही निम्न और मध्यम आय वाले देशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ने में मदद करने के लिए फंडिंग में बढ़ोतरी करने और जलवायु लचीलेपन उपायों में निवेश करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हम दशकों पीछे हैं। हमें टालमटोल, दबाव और जीवाश्म ईंधन से अरबों डॉलर कमाने के स्वार्थ के लालच में खोए समय की भरपाई करनी होगी। यूएन महासचिव के विशेष सलाहकार सेल्विन हार्ट ने कहा कि जिन देशों ने 2050 तक शुद्ध शून्य और पेरिस समझौते के तहत तापमान को 1.5 डिग्री तक कम करने की प्रतिबद्धता जताई थी, वे मौजूदा समय में जीवाश्म ईंधन लाइसेंसिंग का विस्तार कर रहे हैं। न्यूयॉर्क में शिखर सम्मेलन ऐसे वक्त में हुआ जब दुनिया बाढ़ और आग से जूझ रही है। इसका उद्देश्य दिसंबर में दुबई में संयुक्त राष्ट्र के कॉप 28 जलवायु शिखर सम्मेलन से पहले पृथ्वी को गर्म करने वाले प्रदूषण को कम करने की दिशा में काम करना है। सम्मेलन में केवल उन देशों ने भाग लिया, जिनके पास जलवायु संकट से निपटने की ठोस योजना है। सम्मेलन में 200 देशों में से केवल 34 देशों और सात गैर सरकारी निकायों को बोलने का मौका दिया गया।

कोलंबिया का प्रदर्शनकारी महमूद खलील 3 महीने बाद रिहा हुआ, फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों में भाग लेने का आरोप था

बोगोटा , एजेंसी। फिलिस्तीनी कार्यकर्ता और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र महमूद खलिल को तीन महीने बाद अमेरिकी इमिग्रेंट कस्टडी से रिहा कर दिया गया। खलील को 8 मार्च को मैनहट्टन में उनके घर से हिरासत में लिया गया था। उन पर फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों में भाग लेने का आरोप था।

इसके साथ सरकार का दावा था कि खलिल ने अपने ग्रीन कार्ड आवेदन में झूठ बोला, लेकिन खलील ने इन आरोपों से इनकार किया। उनके वकीलों का कहना है कि यह गिरफ्तारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने की कोशिश है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि खलील की मौजूदगी देश के लिए सही नही है। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि ऐसे प्रदर्शन करने वाले गैर-नागरिकों को डिपार्ट किया जाएगा।

ईरान बोला- अमेरिका का क्रूर कृत्य अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

तेहरान, एजेंसी। ईरान की परमाणु एजेंसी ने रविवार को पुष्टि की कि उसके फोर्डो, इस्फहान और नतांज परमाणु ठिकानों पर हमले हुए हैं। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से अमेरिकी हमले की घोषणा के बाद बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि ईरान का परमाणु ऊर्जा संगठन ईरानी राष्ट्र को आश्वस्त करता है कि अपने दुश्मनों की दुष्ट साजिशों के बावजूद अपने हजारों वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के प्रयासों से वह इस राष्ट्रीय उद्योग के विकास को नहीं रुकने देगा। इससे पहले ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने देश के फोर्डो परमाणु ठिकानों पर हमले की बात स्वीकार की थी। इसने बताया कि हमलों में इस्फहान और नतांज परमाणु स्थल भी शामिल थे। आईआरएनए ने सुरक्षा मामलों के प्रभारी इस्फहान के डिप्टी गवर्नर अकबर सालेही के हवाले से कहा कि ठिकानों के आसपास हमले हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन तेहरान की एजेंसी ने यह भी कहा कि उसके परमाणु स्थलों पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं। यह कार्रवाई दुर्भाग्य से अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की उदासीनता और मिलीभगत के तहत हुई। अमेरिकी दुश्मन ने हमलों की जिम्मेदारी ली है, जो

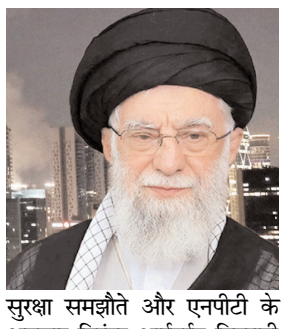

सुरक्षा समझौते और एनपीटी के अनुसार निरंतर आईएईए निगरानी के अधीन हैं। यह उम्मीद की जाती है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जंगलराज जैसी इस अराजकता की निंदा करेगा और ईरान को उसके वैध अधिकारों का दावा करने में समर्थन देगा। पेजेशकियन ने की मैक्रों से बात आधिकारिक आईआरएनए समाचार एजेंसी के मुताबिक, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भी फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ फोन पर बातचीत के दौरान चेतावनी दी कि जायोनी शासन की निरंतर आक्रामकता के प्रति उनके देश की प्रतिक्रिया और भी विनाशकारी होगी। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि पास के पहाड़ पर स्थित परमाणु संवर्धन स्थल पर अमेरिकी हमले के बाद तेहरान के दक्षिण में स्थित कोम शहर के निवासियों के लिए कोई खतरा नहीं है। संघर्ष तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकता है इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि वह ईरान में परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी बमवर्षकों की ओर से किए जा रहे खतरनाक हमलों से बेहद चिंतित हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, इस बात का जोखिम बढ़ रहा है कि यह संघर्ष तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकता है। इससे नागरिकों, क्षेत्र और दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। इस खतरनाक समय में अराजकता के चक्र से बचना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे की कूटनीति का आह्वान किया। फोर्डो, इस्फहान और नतांज परमाणु ठिकानों पर हमले इससे पहले अमेरिकी सेना ने पहले ईरान के फोर्डो, इस्फहान और नतांज परमाणु ठिकानों पर हमले किए थे।

ईरान पर हमलों के बाद अमेरिकी सीनेटरों ने की ट्रंप की तारीफ, कहा- बेहद साहसिक और सही फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ हो रही है। अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप के फैसले को सही और साहसिक करार दिया है। अमेरिका ने शनिवार रात को ईरान के नताज, फोर्डो और इस्फहान परमाणु ठिकानों पर हमला किया।

हमले के बाद साउथ कैरोलिना के सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने एक्स पर लिखा कि बहुत बढ़िया, राष्ट्रपति ट्रंप। टेक्सास के सीनेटर जॉन कॉर्निन ने कहा कि साहसिक और सही निर्णय। अलबामा के सीनेटर केटी ब्रिट ने हमले को मजबूत और सर्जिकल करार दिया। इसके अलावा ओक्लाहोमा के सीनेटर मार्कवेन मुलिन ने लिखा कि अमेरिका पहले, हमेशा।

वहीं सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष मिसिसिपी के रोजर विकर ने कहा कि ट्रंप ने ईरानी शासन की ओर से पैदा किए जा रहे खतरे को समाप्त करने के लिए जानबूझकर और सही निर्णय लिया है। विकर ने एक्स पर लिखा कि अब हमारे सामने अपने नागरिकों और सहयोगियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कई विकल्प हैं।

सीनेट के नेता जॉन थून ने कहा कि हम यह तय करने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं कि परमाणु हथियार ईरान की पहुंच से बाहर रहें। मैं राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खड़ा हूं और खतरे में पड़े अमेरिकी सैनिकों और कर्मियों के लिए प्रार्थना करता हूं। थून और सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन को शनिवार को हमलों से पहले ही जानकारी दे दी गई थी। जॉनसन ने कहा कि सैन्य अभियान हमारे विरोधियों और सहयोगियों को स्पष्ट रूप से याद दिलाएगा कि राष्ट्रपति ट्रंप जो कहते हैं, वही करते हैं। हाउस इंटेलीजेंस कमेटी के अध्यक्ष रिक क्रॉफोर्ड ने कहा कि मैं व्हाइट हाउस के संपर्क में था और उन अमेरिकी सेवा सदस्यों का आभारी हूं जिन्होंने इन सटीक और सफल हमलों को अंजाम दिया।

डेमाक्रेट सीनेटर ने भी की तारीफ : डेमोक्रेटिक सहयोगियों से अलग हटकर पेंसिल्वेनिया के सीनेटर जॉन फेटरमैन ने भी ईरान पर हमलों की प्रशंसा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जैसा कि मैं लंबे समय से कहता रहा हूं, यह अमेरिकी राष्ट्रपति का सही कदम था। ईरान दुनिया में आतंकवाद का अग्रणी प्रायोजक है और उसके पास परमाणु क्षमता नहीं हो सकती।

कुछ सांसदों ने किया विरोध : कुछ सांसदों ने ट्रंप के फैसले का विरोध भी किया। केंटकी के प्रतिनिधि थॉमस मैसी ने ट्रंप के हमलों की घोषणा के बाद एक्स पर पोस्ट किया कि यह सांविधानिक नहीं है। कई डेमोक्रेट्स का मानना है कि कांग्रेस को इस मामले में अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए। सीनेट में इस सप्ताह वर्जीनिया के सीनेटर टिम केन के प्रस्ताव पर मतदान होना था, जिसके अनुसार अमेरिका द्वारा ईरान पर युद्ध की घोषणा करने या कोई विशेष सैन्य कार्रवाई करने से पहले कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता होगी। कनेक्टिकट प्रतिनिधि जिम हिम्स ने एक्स पर पोस्ट किया कि संविधान के अनुसार हम दोनों ने रक्षा करने की शपथ ली है, इस मामले पर मेरा ध्यान बम गिरने से पहले आता है। पूर्ण विराम।

अजरबैजान में 7 जर्नलिस्ट को जेल, विदेशी करेंसी की तस्करी का आरोप

मीडिया संगठनों ने अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताया

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान की एक अदालत ने रेडियो फ्री यूरोप/रेडियो लिबर्टी के पत्रकार फरीद मेहरालिजादा और छह दूसरे पत्रकारों को अलग-अलग आरोपों में दोषी ठहराते हुए 7 से 9 साल तक जेल की सजा सुनाई। मेहरालिजादा और अब्जास मीडिया के डायरेक्टर उल्वी हसनली, मुख्य संपादक सेविंज अब्बासोवा और पत्रकार हाफिज बबाली को 9 साल की सजा मिली। वहीं, पत्रकार नरगिज अब्सलामोवा और एलनारा गासिमोवा को 8 साल, जबकि मोहम्मद केकेलोव को 7 साल की सजा सुनाई गई। दरअसल, नवंबर 2023 में अब्जास मीडिया के छह पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने उन पर विदेशी करेंसी की तस्करी का आरोप लगाया। मेहरालिजादा को मई 2024 में इसी मामले में गिरफ्तार किया गया। बाद में उन पर टैक्स चोरी और दस्तावेज जालसाजी जैसे आरोप लगाए गए। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने उनकी रिहाई की मांग की है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने इस सजा को अन्यायपूर्ण और झूठे आरोपों पर आधारित मुकदमा करार दिया। संगठन की संपादकीय निदेशक ऐनी बोकांदे ने कहा-

अजरबैजान की सरकार पत्रकारों को जेल में डाल सकती है, लेकिन सच्चाई को नहीं रोक सकती। अजरबैजान में इस साल की शुरुआत में वॉयस ऑफ अमेरिका और ब्लूमबर्ग के प्रेस पास रद्द किए गए और बीबीसी का ऑफिस बंद कर दिया गया। एमनेस्टी इंटरनेशनल की जनवरी 2025 की रिपोर्ट में कहा गया कि अजरबैजान की सरकार राजनीति से प्रेरित गिरफ्तारियों के जरिए स्वतंत्र मीडिया को चुप कर रही है और ये कदम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला हैं।

अमेरिका ने ईरानी एटमी ठिकानों पर बमबारी की, ट्रम्प बोले- फोर्डो समेत 3 परमाणु ठिकाने तबाह किए

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया है। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4: 30 बजे हुआ। ट्रम्प ने ईरान पर हमले के 3 घंटे बाद देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे। अमेरिका के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने कहा कि ईरान ने इजराइल पर सबसे बड़ा अटैक किया है। इसके तहत इजराइल के 14 अहम ठिकानों को निशाना बनाया गया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक हाइफा और तेल अवीव के मिलिट्री ठिकानों पर ईरानी मिसाइलों के गिरी हैं।

ईरान में 13 जून से अब तक 657, इजराइल में 24 की मौत : इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 10वां दिन है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान में 13 जून से अब तक 657 लोगों की मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। हालांकि, ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिर्फ 430 नागरिक के मारे जाने और 3,500 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, इजराइल में 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं। ईरान ने इजराइल पर 27 मिसाइलें दागीं इजराइली सेना ने कहा है कि अब नागरिक अपने सुरक्षित बंकरों से बाहर निकल सकते हैं। ईरानी मिसाइलों को मार गिरा दिया गया है। सेना के मुताबिक, ईरान ने दो चरणों में कुल 27 मिसाइलें दागीं। पहले हमले में 22 और दूसरे में 5 मिसाइलें शामिल थीं। इन मिसाइलों का असर तेल अवीव, हाइफा और बाकी शहरों में देखा गया। सेना ने कहा कि हालात अब कंट्रोल में हैं और आम जनता के लिए बाहर निकलना सुरक्षित है।

इजराइल आ रहे 1,800 लोगों को एंट्री नहीं मिली : मिसाइल हमले के बीच साइप्रस में फंसे हुए 1,800 इजराइली नागरिकों को वापस ला रहा एक क्रूज जहाज इजराइली पोर्ट में एंट्री नहीं कर पाया। इजराइल की 'होम फ्रंट कमांड' ने निर्देश दिया कि सुरक्षा कारणों से अशदोद पोर्ट को फिलहाल बंद रखा जाए। कंपनी ने यात्रियों को बताया है कि जहाज पोर्ट के पास ही रुका है। जिन यात्रियों को आज साइप्रस रवाना होना था, उन्हें भी जानकारी दी गई है।

ईरान के हमले में 11 इजराइली घायल : ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले में इजराइल के सेंटर और नॉर्थ के इलाकों में 11 लोग घायल हुए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक तेल अवीव के इचिलोव मेडिकल सेंटर ने बताया कि 5 लोगों को अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया है। इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं।

तेल अवीव समेत कई शहरों पर हवाई हमले : अमेरिकी बमबारी के बाद ईरान ने इजरायल के कई शहरों पर हमला कर दिया है। तेल अवीव, हाइफा समेत कई शहरों में साइरन की आवाजें सुनाई दे रही हैं। इजरायल के ज्यादातर शहरों को अलर्ट पर रखा गया है। इजरायली सेना ने कहा है कि ईरान ने इजरायल के खिलाफ जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं। आईडीएफ ने कहा, थोड़ी देर पहले, ईरान से इजराइल की ओर दागी गई मिसाइलों की पहचान के बाद इजरायल के कई इलाकों में सायरन बज रहे थे। लोगों से अनुरोध है कि वे होम फ्रंट कमांड के निर्देशों का पालन करें। इस समय, इजरायली सेना खतरे को खत्म करने के लिए जहां भी आवश्यक हो काम कर रही है। इजरायली मीडिया का कहना है कि ईरान ने मिसाइल के जरिए उत्तरी और मध्य इजरायल के शहर - हाइफा, नेस जियोना, रिशोन लेजियन, तेल अवीव पर हमला किया है। ईरान के न्यूज चैनलों पर भी हमलों की तस्वीरों को प्रसारित किया गया। एक न्यूज एंकर ने कहा, ये लाइव तस्वीरें जो आप देख रहे हैं, वे इजरायल पर दागी गईं ईरानी मिसाइलों की नई बौछार की हैं। ईरानी मिसाइलों के हमले के बाद इजरायल में कई लोग घायल हुए हैं। बचाव सेवाओं और रिपोर्टों के अनुसार, ईरान द्वारा मिसाइलें दागे जाने के बाद मध्य इजरायल में कम से कम 11 लोग घायल हो गए।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

23 वर्षों से फरार लूट व अपहरण का आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

वलसाड पुलिस की क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता, अमृतसर से पकड़ा गया आरोपी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिले की क्राइम ब्रांच पुलिस ने 23 वर्षों से फरार चल रहे एक वांछित आरोपी को पंजाब के अमृतसर से गिरफ्तार कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जशविंदर सिंह तरलोक सिंह जाट (निवासी गांव बुलारा, तहसील बाबा बकाला, जिला अमृतसर, पंजाब) के रूप में हुई है, जो वर्ष 2002 में कपराड़ा थाने में दर्ज लूट व अपहरण के गंभीर मामले में फरार था।

यह कार्रवाई मे.सुरत रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री प्रेमवीर सिंह (आई.पी.एस) और वलसाड जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. करनराज वाघेला (आई.पी.एस) के मार्गदर्शन में तथा एलसीबी वलसाड के पुलिस निरीक्षक श्री उत्सव बारोट के नेतृत्व में की गई।

दिनांक 6 अगस्त 2002 को कपराड़ा पुलिस स्टेशन में ढ्ढक्कष्ट की धाराओं 394, 341, 342, 365, 328, 114 के तहत मामला दर्ज हुआ था। वाकया उस समय का है जब मध्य प्रदेश के तीन व्यक्ति - ड्राइवर ओंकार वणजारा, सहचालक रामचंद्र पाटिल और एक अन्य रिश्तेदार राजू चौहान - वलसाड के वापी से ट्रक में करीब 9.35 लाख मूल्य के कोलगेट, फेयर एंड लवली व पोंड्स पाउडर के बॉक्स भरकर इंदौर की ओर जा रहे थे।

कपराड़ा-वांसदा मार्ग पर उनकी ट्रक को आरोपियों ने रोककर जबरन चढ़ाई कर दी। चाकू की नोक पर सभी को डराया, नशीली गोलियां व पाउडर खिलाकर बेहोश किया और बाद में हाथ-पैर बांधकर अपहरण कर लिया। आरोपियों ने 12.35 लाख मूल्य का माल लूटकर फरार हो गए थे।

अब तक पकड़े गए आरोपी:

1. बलदेव सिंह उर्फ बलविंदर सिंह - पूर्व में गिरफ्तार
2. देवेंद्र सिंह हलबत सिंह - पूर्व में गिरफ्तार

3. जशविंदर सिंह तरलोक सिंह जाट - अब गिरफ्तार
4. संजय उर्फ मनोज श्रीवास्तव - अब भी फरार (निवासी कोलकाता)

एलसीबी वलसाड के जवानों ने छह महीनों तक टेक्निकल सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के जरिये आरोपी की लोकेशन ट्रेस की। अमृतसर पहुंचकर टीम ने स्थानीय वेशभूषा में गुरुद्वारा क्षेत्र में डेरा डाला और सटीक सूचना मिलने पर आरोपी को दबोच लिया। उसके खिलाफ कपराड़ा थाने में लूट और अपहरण के तहत विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

कार्रवाई में शामिल टीम:

1..पी.आई श्री उत्सव बारोट (एलसीबी वलसाड)
2.पी.आई श्री एस.एल. वसावा (कपराड़ा)
3. पी.एस.आई एल.एस. पटेल
4. हेड कांस्टेबल- अश्विनभाई, कांजीभाई, रजनीकांत
5. कांस्टेबल- पंकज देगामा, भाविक पटेल
6. अ.हे.को: उर्वीश गोहिल

ACB ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

भूमि दलालों को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया

ACB ने इस मामले में रिश्वत लेने के लिए विशेष जाल बिछाया था। योजना के अनुसार, बॉपल-आंबळी चौराहे के पास दोनों भूमि दलाल नवगणसिंह डोडिया और मनीष पगी रिश्वत की राशि लेने पहुंचे थे। ACB की टीम ने दोनों दलालों को रिश्वत लेते ही रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार दोनों दलालों से पूछताछ और जांच में इस रिश्वत कांड में मुख्य आरोपित गौतम याज्ञिक की भी संलिप्तता सामने आई। इस मामले में ACB ने गौतम याज्ञिक, नवगणसिंह डोडिया और मनीष पगी—तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ACB द्वारा तीनों आरोपियों के खिलाफ क़ानूनी कार्रवाई की गई है और यह जांच शुरू की गई है कि क्या इस घूसकांड में और किसी की संलिप्तता भी है या नहीं। यह घटना सरकारी कार्यों में होने वाली भ्रष्टाचार की घटनाओं को एक बार फिर उजागर करती है और ACB की सक्रियता को दर्शाती है।

मिलों द्वारा अवैध ड्रेनेज कनेक्शन का पर्दाफाश!

पांडेसरा GIDC में केमिकल युक्त पानी बहता मिला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, पांडेसरा GIDC क्षेत्र में एक बार फिर प्रशासन की लापरवाही और मिलों द्वारा पर्यावरण के खिलाफ चल रही साजिश का पर्दाफाश हुआ है। हाल ही में हुई बारिश के बाद कई ड्रेनेज चैंबरों से साफ पानी के बजाय जहरीला केमिकलयुक्त पानी बहता देखा गया, जिससे आसपास दुर्गंध फैल गई और जनआंदोलन खड़ा होने की संभावनाएं बन गई हैं।

प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि कई उद्योगों द्वारा ड्रेनेज लाइन के साथ अवैध रूप से केमिकल कनेक्शन जोड़ा गया है, जिसके कारण बारिश का पानी ड्रेनेज से गुजरने की बजाय सीधा केमिकल वाला पानी

बहने लगा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस प्रकार की गतिविधियां काफी समय से चल रही हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है, ऐसा आरोप भी उठाया जा रहा है।

प्रश्न यह है कि क्या प्रशासन सो रहा है? या फिर इस मिलावट भरे षड्यंत्र में किसी के आशीर्वाद शामिल हैं?

अब देखने का विषय यह है कि पर्यावरण विभाग और GIDC के जिम्मेदार अधिकारी इस अवैध गतिविधि के खिलाफ क्या कदम उठाते हैं - या केवल कागज़ी नोटिस भेजकर अपनी औपचारिकता पूरी करते हुए अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हैं?

ड्रेनेज पर 500 करोड़ खर्च, लेकिन एक घंटे में एक इंच से ज्यादा बारिश हो तो जलभराव तय!

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

SMC (सूरत महानगरपालिका) की ड्रेनेज कमेटी के चेयरमैन केयूर चपाटवाला नें बताया कि सूरत महानगरपालिका द्वारा ड्रेनेज पर लगभग 480 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाते हैं। इसमें ड्रेनेज और स्टॉर्म ड्रेनेज का कार्य शामिल होता है।

सूरत शहर के ड्रेनेज नेटवर्क की क्षमता की बात करें तो, यह एक घंटे में एक इंच तक की बारिश को आसानी से सम्हाल सकता है। लेकिन अगर एक घंटे में एक इंच से ज्यादा बारिश होती है, तो कुछ क्षेत्रों में पानी भरने की आशंका रहती है।

आज जो बारिश हुई वह असामान्य थी, और स्वाभाविक रूप से यह ड्रेनेज नेटवर्क की क्षमता से अधिक थी, इसलिए कुछ इलाकों में जलभराव हुआ है।

सूरत मनपा ने इस साल मानसून से पहले की प्री-मानसून तैयारियों पर करीब 5 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जिसमें खाड़ी (नालों) की सफाई और ड्रेनेज व स्टॉर्म ड्रेनेज लाइनों की सफाई का काम किया गया था।

मूसलाधार बारिश के कारण कई क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। लोगों ने आरोप लगाया कि बारिश के पानी की सही निकासी नहीं होने से घरों और दुकानों में पानी घुस गया। बारिश का पानी उतरने के बाद ही व्यापारियों को हुए नुकसान का सही आंकलन सामने आएगा। हालांकि, अब इस स्थिति से बचने के लिए नगर निगम ने पिछले 8 वर्षों में 24 घंटे में हुई बारिश के आंकड़े सार्वजनिक किए हैं। जिसमें बताया गया है कि आज (23 जून को) सिर्फ 10 घंटों में ही 10 इंच बारिश हुई, जिसके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

दो घंटे में साढ़े पांच इंच बारिश से शहर में घुटनों तक पानी, वाहन डूबे, माता-पिता ने बच्चों को कंधों पर उठाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में आज तड़के से ही मेघराजा ने अपना रौद्र रूप दिखाया है। बीते दो घंटों में साढ़े पांच इंच से ज्यादा बारिश होने के कारण शहर और जिले के कई हिस्सों में घुटनों तक पानी भर जाने के दृश्य देखने को मिले। इस लगातार हो रही बारिश के चलते स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है, वहीं नौकरी और काम पर जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर के कुछ इलाकों में तो आधे-आधे वाहन पानी में डूब गए, जिससे लोग चिंतित हो गए हैं। मूसलाधार बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव हो गया है और सड़कों पर पानी भरने से जनजीवन प्रभावित हो

रहा है।

सूरत में हुई मूसलाधार बारिश के कारण वराछा मेन रोड पर तो मानो नदी बह रही हो, ऐसे दृश्य देखने को मिले। यहां स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट की दुकानें पूरी तरह डूब गईं। इलेक्ट्रॉनिक्स सहित अन्य दुकानों में बारिश का पानी घुस जाने से व्यापारियों को करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

वराछा मेन रोड की तरह अडाजन क्षेत्र में भी जलजमाव की स्थिति देखने को मिली। अडाजन स्थित प्राइम आर्केड के बेसमेंट में बारिश का पानी घुस जाने से दुकानदारों का कीमती सामान भीग गया। व्यापारियों को हुए नुकसान का वास्तविक आंकलन बारिश का पानी उतरने के बाद ही सामने आ सकेगा।

सारोली क्षेत्र की रघुकुल मार्केट की दुकानों में पानी घुसा- सारोली क्षेत्र में वर्तमान में मेट्रो का काम चल रहा है, जिसके कारण सड़कों पर पानी भर गया। वहीं दूसरी ओर, इस क्षेत्र में स्थित रघुकुल मार्केट में बारिश का पानी घुस जाने से व्यापारियों का कीमती माल खराब हो गया। इसी तरह रिंग रोड पर स्थित टेक्साइट मार्केट के बेसमेंट में बनी दुकानें पूरी तरह से पानी में डूब गईं।

अक्षरधाम सोसायटी के रहवासियों में पालिका के प्रति भारी आक्रोश: स्थानीय लोगों का कहना है कि पालिका केवल कागज़ों पर काम करती है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर स्थितियों में सुधार लाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए तुरंत कार्रवाई की मांग की जा रही है। यदि इस समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो स्थानीय लोगों ने आंदोलन की चेतावनी

सूरत में नेता गायब, पुलिस बनी मसीहा: गले तक पानी में उतरकर बचाई सैकड़ों जानें

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में आज आसमान फटने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जब 9 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इस भारी बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। पालिका की प्री-मानसून तैयारियों की पोल खुल गई। इस मुश्किल घड़ी में एक भी नेता न तो सड़कों पर दिखा और न ही लोगों की मदद के लिए सामने आया। वहीं दूसरी ओर, जांबाज़ पुलिस जवानों ने बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक का रेस्क्यू कर गले तक भरे पानी में उतरकर लोगों की जान बचाई।

आज तड़के से हो रही भारी बारिश के चलते सूरत शहर के वेड रोड इलाके में जलभराव जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई थी। निचले इलाकों में पानी भर जाने से यातायात व्यवस्था ठप हो गई थी और कई लोग, विशेषकर स्कूल जाने वाले छात्र जलभराव में फंस गए थे। स्कूल का समय होने के कारण कई छोटे बच्चे पानी में फंसे थे, जिससे उनके माता-पिता में चिंता का माहौल फैल गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चौक बाजार पुलिस स्टेशन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। चौक बाजार के पीआई एन. जी. चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने युद्ध स्तर पर बचाव कार्य शुरू किया।

बारिश के पानी में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए ट्रैक्टर का सहारा लिया गया। पुलिस ने अथक प्रयास कर सभी फंसे लोगों और छात्रों को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। समय पर और सराहनीय कार्रवाई के लिए स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने पीआई एन. जी. चौधरी और उनकी पूरी टीम का दिल से आभार व्यक्त किया। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्राकृतिक आपदाओं के समय पुलिस बल हमेशा जनता की सेवा और सहायता के लिए तत्पर रहता है।

साथ ही, ट्रैफिक पुलिस ने खांड बाजार गरनाला के पास फंसे बैंक कर्मियों को भी सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं वराछा पुलिस ने भी यहां फंसे हुए लोगों को उठाकर सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया।

39 लाख के माल के साथ 4 आरोपियों की गिरफ्तारी

हजीरा से नंदेसरी जाते टैंकर से स्टायरीन केमिकल चोरी का भंडाफोड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के हजीरा पोर्ट से वडोदरा के नंदेसरी त्रढ्ढष्ठष्ट में स्टायरीन नामक केमिकल ले जा रहे एक टैंकर को नबीपुर के पास रोककर उसमें से केमिकल चोरी करने के रैकेट का भंडाफोड़ एलसीबी (लोकल क्राइम ब्रांच) ने किया है। इस केमिकल चोरी के मुख्य सूत्रधार माने जाने वाले पालेज के समीर मलंगाशा दिवान समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने टैंकर सहित कुल 39 लाख रुपये का माल जब्त किया है।

दहेज और हजीरा से केमिकल भरकर निकलने वाले टैंकरों के ड्राइवरों की मिलीभगत से टैंकर का वॉल्व खोलकर केमिकल कार्बा (ड्रमों) में भरकर चोरी किया जाता था। भरूच-वडोदरा हाईवे पर नबीपुर के पास टैंकर से केमिकल चोरी की जानकारी मिलने पर एलसीबी के पीएसआई दीपसिंह तुवर और उनकी टीम ने छापा मारा।

छापे के दौरान स्टायरीन नामक केमिकल से भरे चार ड्रम (कार्बा) बरामद किए गए। स्टायरीन से भरा टैंकर और एक पिकअप वाहन समेत कुल 39.14 लाख रुपये का माल जब्त किया गया है। समीर मलंगाशा दिवान समेत तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है।

सूरत के हजीरा स्थित अदाणी पोर्ट से टैंकर में केमिकल भरकर उसे वडोदरा के नंदेसरी की एक कंपनी में डिलीवर किया जाना था, लेकिन रास्ते में केमिकल माफियाओं से मिलीभगत कर उसमें से कुछ केमिकल निकालकर अवैध रूप से बेच दिया जाता था।

तीन दिन पहले दहेज पुलिस ने बलराम होटल के पास रोड किनारे खड़े सात टैंकरों से स्टायरीन केमिकल चोरी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया था। जिसमें पालेज के समीर उर्फ सत्तारशा मलंगाशा दिवान की मुख्य सूत्रधार के रूप में संलिप्तता सामने आई थी। एक ही सप्ताह में केमिकल चोरी के दो बड़े रैकेट में अब तक कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।